INS ACCREDITED
यूनिकॉम
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

सांध्य दैनिक
यूनिक समय

RNI-UPHIN/2023/85053

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त : DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-13 | मथुरा, मंगलवार, 10 मार्च 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

गैस संकट की आंच मथुरा तक: कमर्शियल एलपीजी सप्लाई बंद

होटल–रेस्त्रां कारोबारियों और शादियों पर मंडराया संकट

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। अंतरराष्ट्रीय हालात और तेल आपूर्ति में आई दिक्कतों का असर अब मथुरा की रसोई और कारोबार पर भी दिखने लगा है। घरेलू गैस के दाम बढ़ने के बाद तेल कंपनियों ने कमर्शियल एलपीजी सिलेंडरों की सप्लाई सीमित कर दी है। इससे मथुरा के होटल–रेस्त्रां, ढाबों और मिठाई कारोबारियों के सामने बड़ी परेशानी खड़ी हो गई है। शहर और आसपास के इलाकों में हजारों होटल–रेस्त्रां और मिठाई की दुकानें कमर्शियल गैस पर निर्भर हैं। उद्योग से जुड़े लोगों का कहना है कि अगर जल्द राहत नहीं मिली तो कई छोटे होटल और ढाबे बंद होने की स्थिति में आ सकते हैं। इससे बड़ी संख्या में लोगों के रोजगार पर भी असर पड़ेगा। होटल कारोबारियों का कहना है कि बड़े किचन में 40 से 50 किलो वाले कमर्शियल सिलेंडर का इस्तेमाल होता है। किचन की गैस पाइपलाइन अलग होने के कारण घरेलू एलपीजी या कोयले का इस्तेमाल करना आसान नहीं होता। ऐसे में सप्लाई प्रभावित होने से रोजमर्रा का कामकाज चलाना मुश्किल हो सकता है। गैस संकट ऐसे समय सामने आया है जब आने वाले महीनों में शादी का बड़ा सीजन शुरू होने वाला है। अक्षय तृतीया और रामनवमी सहित कई शुभ मुहूर्तों के कारण मथुरा और ब्रज क्षेत्र में बड़ी संख्या में शादियां होने वाली हैं। ऐसे आयोजनों में खाना बनाने के लिए बड़ी मात्रा में एलपीजी सिलेंडर की जरूरत पड़ती है। कैटरिंग और टेंट कारोबार से जुड़े लोगों का कहना है कि एक बड़े विवाह समारोह में औसतन 20 से 25 सिलेंडर तक लग जाते हैं। यदि कमर्शियल गैस की सप्लाई प्रभावित रहती है तो आयोजकों को महंगे दामों पर सिलेंडर खरीदने पड़ सकते हैं, जिससे शादी का खर्च बढ़ना तय है।

इधर पेट्रोल और डीजल की सप्लाई में भी कटौती की खबरों से परिवहन और सप्लाई चेन पर असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है। मथुरा के व्यापारिक संगठनों का कहना है कि अगर जल्द समाधान नहीं निकला तो इसका असर पर्यटन, होटल कारोबार और स्थानीय उद्योगों पर भी पड़ेगा। व्यापारियों का मानना है कि सरकार और तेल कंपनियों को जल्द वैकल्पिक व्यवस्था करनी चाहिए, ताकि होटल–रेस्त्रां, कैटरिंग और मिठाई उद्योग से जुड़े हजारों लोगों की रोजी–रोटी पर संकट न आए।

गैस संकट में याद आए मिट्टी के चूल्हे, बिजली वाले भी चर्चा में

यूनिक समय, मथुरा। देश में गैस आपूर्ति को लेकर बढ़ती चिंता के बीच अब लोगों को पुराने दिनों की याद आने लगी है। गैस सिलेंडर की किल्लत और महंगाई की चर्चाओं के बीच कई घरों में मजाक–मजाक में ही सही, लेकिन "मिट्टी के चूल्हे" फिर से चर्चा में आ गए हैं। वहीं कुछ लोग अब बिजली से चलने वाले चूल्हों यानी इंडक्शन और इलेक्ट्रिक स्टोव की तरफ भी नजरें घुमाने लगे हैं। दरअसल वैश्विक तनाव और गैस सप्लाई में संभावित रुकावट की खबरों के बाद आम लोगों के बीच हलचल बढ़ गई है। शहरों में लोग जल्दी–जल्दी गैस सिलेंडर बुक करा रहे हैं, तो गांवों में बुजुर्ग मुस्कुराते हुए कह रहे हैं कि "हमारे जमाने में तो मिट्टी के चूल्हे पर ही पूरा घर चलता था।" दूसरी तरफ शहरों में कई लोग अब बिजली वाले चूल्हों को विकल्प के रूप में देखने लगे हैं। बाजार में इंडक्शन चूल्हों की मांग भी बढ़ती दिखाई दे रही है। कई दुकानदारों का कहना है कि पिछले कुछ दिनों में इलेक्ट्रिक चूल्हों के बारे में पूछताछ बढ़ी है। सोशल मीडिया पर भी इस मुद्दे को लेकर खूब व्यंग्य और मीम्स वायरल हो रहे हैं। कोई लकड़ी जमा करते दिख रहा है तो कोई पुराना चूल्हा साफ करते हुए फोटो डालकर लिख रहा है–"जरूरत पड़ी तो यही काम आएगा।" वहीं कुछ लोग मजाक में इसे "बैकअप किचन प्लान" भी कह रहे हैं। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि घबराने की जरूरत नहीं है और सरकार गैस आपूर्ति को सामान्य बनाए रखने के लिए लगातार कदम उठा रही है। फिर भी इस पूरे माहौल ने लोगों को यह जरूर याद दिला दिया है कि जरूरत पड़ने पर मिट्टी के चूल्हे से लेकर बिजली वाले चूल्हे तक, हर विकल्प काम आ सकता है।

हजारों रोजगार प्रभावित होने की आशंका

शादी सीजन में बढ़ेगी मुश्किल, कैटरिंग कारोबार पर भी असर

चार महीनों में कई शुभ मुहूर्त, आयोजनों का खर्च बढ़ने की आशंका

सभी विधायकों पर मुख्यमंत्री मेहरबान

विधायकों से पांच–पांच करोड़ रुपये के विकास कार्यों के प्रस्ताव मांगे

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, लखनऊ। यूपी की मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार अब विकास कार्यों के सहारे वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव बिसात बिछाने में जुटने के लिए दिखाई दे रहे हैं। इसके लिए मुख्यमंत्री ने सभी विधायकों से अपने–अपने क्षेत्र में जरूरी विकास कार्य कराने के लिए पांच–पांच करोड़ रुपये से कराए जाने वाले कार्यों का प्रस्ताव मांगा है। उन्होंने ने सभी विधायकों को एक सप्ताह के अंदर प्रस्ताव सीएम कार्यालय को भेजने का भी निर्देश दिया है। वहीं, सभी डीएम को भी प्रस्ताव का परीक्षण करके धनराशि जारी करने को कहा गया है। मुख्यमंत्री कल अपने सरकारी आवास पर वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए सभी विधायकों और एमएलसी से संवाद कर रहे थे। सूत्रों के मुताबिक करीब 30 मिनट के संवाद में सीएम ने सभी विधायकों से अपने–अपने क्षेत्र में रहकर जनता की समस्याओं का निराकरण कराने के साथ ही विकास कार्यों की निगरानी करने को भी कहा है। सूत्रों के मुताबिक सीएम ने सभी विधायकों से कहा कि वह अपने–अपने क्षेत्रों में सड़क निर्माण के साथ ही बारात घर, कम्यूनिटी सेंटर, पुल, कन्वेंशन सेंटर, सड़कों पर स्ट्रीट लाइट लगवाने, शौचालय के कार्यों का प्रस्ताव मांगा है। सरकार ने पहली बार विधानपरिषद के सभी सदस्यों से भी पांच–पांच करोड़ रुपये से काम कराने का प्रस्ताव मांगा है। साथ ही उनसे यह भी कहा गया है कि प्रस्ताव देते समय उसमें अपने क्षेत्रों के अलावा उन क्षेत्रों में भी विकास कार्यों पर फोकस रखें, जहां भाजपा विधायक नहीं हैं। तहसील, जिला और हाईकोर्ट में अधिवक्ताओं के चेंबर आदि बनाने का भी प्रस्ताव दे सकते हैं। सीएम ने विधायकों से कहा है कि वह अपने क्षेत्रों की जरूरत के मुताबिक ऐसे सभी काम कराने के लिए भी प्रस्ताव दे सकते हैं, जो जनता की सुविधाओं से जुड़े हैं। कहा प्रस्ताव मिलने के बाद डीएम तत्काल धनराशि जारी कर काम शुरू कराएं। सूत्रों के मुताबिक संवाद के दौरान सीएम ने कहा कि सांसद निधि काफी बड़ी होती है, इसलिए उनकी निधि से भी क्षेत्रों के विकास कार्य कराए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि सांसदों को भी अपनी निधि से संसदीय क्षेत्र के उन विधानसभा क्षेत्रों में भी काम कराने पर फोकस करना चाहिए, जिन विधानसभा क्षेत्रों में विकास की अधिक जरूरत है। सीएम ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया है कि सांसद निधि से होने वाले विकास कार्यों के शिलापट्ट में विधायकों का नाम अंकित किया जाए।

विधानसभा चुनाव 2027 की बिसात बिछाने की तैयारी

मथुरा में पांच एमएलए और एमएलसी हैं

समारोह

विकसित भारत निर्माण में महिलाओं की भूमिका अहम: आनंदी बेन

दीक्षांत समारोह में राज्यपाल ने छात्रों को प्रदान की डिग्रियां

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो अनुसंधान का पंचदश दीक्षांत समारोह विश्वविद्यालय के सभागार में संपन्न हुआ। दीक्षांत समारोह में 69 पशु चिकित्सा स्नातक, 29 जैव प्रौद्योगिकी स्नातक, 74 स्नातकोत्तर तथा 05 पीएचडी विद्यार्थियों को उपाधियाँ प्रदान की गईं। राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने सभी विद्यार्थियों को बधाई दी। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्होंने जीवन में धैर्य और दृढ़ता के महत्व पर बल दिया। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि पुरस्कार प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में लगभग 44 प्रतिशत छात्राएं थीं, जिसके लिए उन्होंने विश्वविद्यालय की सराहना की और इसे महिला सशक्तिकरण का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि किसी भी डिग्री को प्राप्त करना केवल एक शैक्षणिक योग्यता नहीं बल्कि एक जीवन पद्धति है। उन्होंने विद्यार्थियों को सकारात्मक सोच रखने तथा समाज के उत्थान के लिए अपने जीवन के लक्ष्य निर्धारित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने पशुधन स्वास्थ्य सेवाओं में नवीन प्रौद्योगिकियों के समावेशन पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने वन हेल्थ दृष्टिकोण के महत्व पर प्रकाश डाला तथा पशु एवं जन स्वास्थ्य के संरक्षण में पशु चिकित्सकों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया।

दीक्षांत समारोह में एक छात्रा को सम्मानित करती राज्यपाल आनंदी बेन पटेल।

उन्होंने खाद्य गुणवत्ता के महत्व और इसके समग्र स्वास्थ्य एवं कल्याण पर पड़ने वाले प्रभाव को भी रेखांकित किया। साथ ही उन्होंने विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन केंद्र की सराहना की जो ग्रामीण महिलाओं के विकास के लिए सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है। उन्होंने विकसित भारत के निर्माण में महिलाओं की भूमिका को भी महत्वपूर्ण बताया। मुख्य अतिथि केंद्रीय पशुपालन आयुक्त डॉ. नवीन बी महेश्वरप्पा ने एकात्मवाद के प्रेणता पंडित दीनदयाल उपाध्याय को स्मरण कर उनके समाज के प्रति योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने पशुपालन क्षेत्र की वर्तमान स्थिति तथा ग्रामीण आजीविका को सशक्त बनाने में इसकी बहुआयामी भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने बाबा गोरखनाथ कृपा मिल्क प्रोड्यूसर ऑर्गेनाइजेशन तथा बालिनी मिल्क प्रोड्यूसर ऑर्गेनाइजेशन की महिलाओं द्वारा संचालित दुग्ध उत्पादक संस्थाओं की सफलता का जिक्र किया। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका बताई। उन्होंने मत्स्य क्षेत्र जैसे सहायक क्षेत्रों के महत्व तथा प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि सह योजना जैसी योजनाओं के बारे में भी विस्तार से बताया। विशिष्ट अतिथि यूपी के पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह धर्मपाल सिंह ने भारत के पशुपालन क्षेत्र की विविध भूमिका तथा विशेष रूप से उत्तर प्रदेश के योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने नंद बाबा दुग्ध मिशन तथा प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के उद्देश्यों को भी विस्तार से बताया। प्रारंभ में विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अभिजित मित्र ने अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने विश्वविद्यालय की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की।

विप्रा की ओटीएस योजना से डिफॉल्टरों को मिलेगी राहत

यूनिक समय, मथुरा। प्रदेश सरकार द्वारा मंजूर की गई एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस) 2026 से मथुरा में विकास प्राधिकरण और आवासीय योजनाओं के डिफॉल्टरों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। इस योजना के तहत बकाया राशि जमा करने पर दंड ब्याज पूरी तरह माफ कर दिया जाएगा और केवल साधारण ब्याज के साथ भुगतान करने का मौका मिलेगा। मथुरा–वृंदावन विकास प्राधिकरण की आवासीय व व्यावसायिक संपत्तियों के कई आवंटी लंबे समय से बकाया राशि नहीं चुका पाए हैं। ऐसे लोगों को अब तीन माह की अवधि में आवेदन कर बकाया चुकाने का अवसर मिलेगा। सरकार के अनुसार ओटीएस योजना से न केवल डिफॉल्टरों को राहत मिलेगी, बल्कि विकास प्राधिकरणों की लंबित बड़ी धनराशि की वसूली भी संभव हो सकेगी।

वृंदावन में जिम के सामने युवक को पीटा

यूनिक समय, मथुरा। थाना वृंदावन के रुकमणि बिहार में एक जिम सामने दो युवकों ने युवक के साथ जमकर मारपीट किए जाने के मामले का वीडियो वायरल हो रहा है। वहीं सुरीर के गांव ढोकलावांस में हुए झगड़े में एफआईआर कराई गई है। वृंदावन के रुकमणि विहार निवासी नवीन किसी काम से एलआईजी सोसाइटी के गोल चक्कर के समीप बनी गोलडन जिम के समीप खड़ा हुआ था। इसी दौरान गांव परखम गूजर निवासी युवक विजय और अजय जो इस समय जन्मभूमि लिंक रोड पर रहते हैं। इन दोनों ने उसके साथ बुरी तरह से मारपीट की और उसे घायल कर

ढोकलावांस में मारपीट की रिपोर्ट दर्ज

दिया। परिवार के लोगों का आरोप है कि इन दोनों युवकों द्वारा नवीन के साथ पहले भी मारपीट और धमकी दी गई थी। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। सुरीर संवाददाता के अनुसार गांव ढोकलावांस निवासी दिनेश कुमार ने पुलिस में दर्ज कराई गई रिपोर्ट में कहा है कि चार मार्च को गांव के सुनील, बबलू, सचिन व चंद्रप्रकाश ने उसके साथ मारपीट कर उसे बुरी तरह घायल कर दिया था। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

वेटरनिरी कॉलेज में दीक्षांत समारोह में गोल्ड मेडल और प्रमाण पत्र लिए छात्र–छात्राओं के साथ राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, कुलपति डॉ. अभिजीत मित्र एवं पशुधन एवं दुग्ध विकास मत्स्य मंत्री धर्मपाल सिंह आदि।

पदक पाकर खिले छात्र–छात्राओं के चेहरे

राज्यपाल ने 14 स्वर्ण पदक, 4 रजत व दो कांस्य पदक भी प्रदान किए

वेटरनरी कॉलेज के दीक्षांत समारोह में गोल्ड मेडल और प्रमाण पत्र मिलने के बाद के झूमते छात्र छात्राएं।

एक बालक को पुरस्कृत करती राज्यपाल आनंदीबेन पटेल।

यूनिक समय, मथुरा। 15 वें दीक्षांत समारोह के दौरान छात्रों की उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए सम्मानित करने के लिए 14 स्वर्ण पदक, चार रजत पदक और दो कांस्य पदक प्रदान किए। राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने पशु चिकित्सा स्नातकों में गौरव सिंह को विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक, हिमानी चौहान को रजत पदक तथा कमलेश कुमार गढ़वाल को कांस्य पदक प्रदान किया गया। जैव प्रौद्योगिकी स्नातकों में देव शर्मा को स्वर्ण पदक, अन्नू को रजत पदक तथा कृतिका जादौन को कांस्य पदक प्रदान किया गया। इसी प्रकार स्नातकोत्तर वर्ग में शिप्रा तिवारी को स्वर्ण पदक तथा एस साहिथि को रजत पदक प्रदान किया गया। विश्वविद्यालय पदकों के अलावा राज्यपाल ने विभिन्न स्मृति स्वर्ण पदक भी उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धि वाले विद्यार्थियों को प्रदान किए गए। इनमें गौरव सिंह को आईएसवीपीटी पदक, कर्नल वाईएन उपाध्याय स्मृति स्वर्ण पदक, डॉ महीपाल सिंह स्मृति स्वर्ण पदक, डॉ पी राय स्मृति स्वर्ण पदक, डॉ पीजी पाण्डेय स्मृति स्वर्ण पदक, पंडित जानकीनाथ मदान स्मृति स्वर्ण पदक तथा दुवासु–आईपीएसए यूजी स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। डॉ जितेन्द्र कुमार स्मृति स्वर्ण पदक कुमारी मानसी को प्रदान किया गया।

दुवासु–आईपीएसए एम.वी.एससी. स्वर्ण पदक युवराज सिंह तथा रजत पदक जितेन्द्र कुमार शर्मा को प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त कुलपति स्वर्ण पदक बी.वी.एससी. श्रेयांशी शर्मा तथा एमवीएससी शिप्रा तिवारी को प्रदान किए गए।

25 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को दिए गए इनाम

यूनिक समय, मथुरा। विश्व विद्यालय द्वारा शैक्षणिक गतिविधियों के साथ साथ ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए किए जाने वाले कार्यक्रम के अंतर्गत 25 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को त्रिचक्र वाहन, झूला घोड़ा, अंक–अक्षर, फल एवं पशु ब्लॉक्स, पज़ल, गेंद, क्ले–रिंग, पंचतंत्र की कहानी पुस्तकें, शैक्षणिक मानचित्र, व्हाइट बोर्ड, मार्कर–डस्टर, किडनी आकार की मेजें तथा कुर्सियाँ देकर सम्मानित किया गया।

बेस्ट टीचर्स अवॉर्ड भी दिया गया

यूनिक समय,मथुरा। एमवीएससी के चार तथा पीएचडी का एक श्रेष्ठ शोध प्रबंध पुरस्कार भी प्रदान किया गया। वेटरिनरी साइंस में एमवीएससी का श्रेष्ठ शोध प्रबंध पुरस्कार के अलावा बेस्ट टीचर्स अवॉर्ड भी प्रदान किए गए।

एम.वी.एससी के चार, पीएचडी एक, श्रेष्ठ शोध प्रबंध पुरस्कार भी प्रदान किया गया। बेसिक वेटेरिनरी साइंस में एम.वी.एससी. का श्रेष्ठ शोध प्रबंध पुरस्कार डॉ प्रिया पचौरी, वेटेरनरी पैरा–क्लिनिकल विषयों में डॉ सोनम कुमारी, एनिमल प्रोडक्शन साइंस में डॉ अरुंधति शर्मा तथा वेटेरिनरी क्लिनिकल विषयों में डॉ अनूप कुमार को प्रदान किया गया। इसी प्रकार वेटेरिनरी क्लिनिकल विषय में पीएचडी का श्रेष्ठ शोध प्रबंध पुरस्कार डॉ अनुराधा नीमा को प्रदान किया गया। दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय के सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार से डॉ अमिताव भट्टाचार्य (सह आचार्य) को सम्मानित किया गया।

गोद लिए गांवों के छात्रों को भी मिले पुरस्कार

यूनिक समय, मथुरा। विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन केंद्र के माध्यम से गोद लिए गए पाँच गांवों के विद्यालयों के विद्यार्थियों को भी इस मौके पर पुरस्कृत किया गया। इन विद्यालयों में चित्रकला, देशभक्ति गीत एवं भाषण प्रतियोगिताएँ के 12 विजेता विद्यार्थियों को माननीय राज्यपाल ने प्रशस्ति पत्र कहानी की पुस्तकें, ड्राइंग बुक, पेंसिल बॉक्स, पेंसिल, रबर, शार्पनर सहित आदि देकर पुरस्कृत किया।

तापमान / मौसम

35 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

20 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना–चांदी भाव

सोना

24 कैरेट 1,61,000

22 कैरेट 1,48,120

(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी

2,70,000 प्रति किलो

आपातकालीन सेवाएं

112	-आपातकालीन सेवा
1962	- रेलवे हेल्पलाइन
100	- पुलिस
108	- एंबुलेंस (स्वास्थ्य सेवा)
102	- एंबुलेंस (मातृ एवं शिशु सेवा)
101	- अग्निशमन (फायर ब्रिगेड)
1090	- महिला हेल्पलाइन
1091	- महिला पुलिस सहायता
1098	- चाइल्ड हेल्पलाइन
104	- स्वास्थ्य सलाह सेवा
1076	- मुख्यमंत्री हेल्पलाइन
1033	- राष्ट्रीय राजमार्ग आपात सेवा
1073	- सड़क दुर्घटना आपात सहायता

मसानी क्षेत्र में नाली में पड़ा मिला अज्ञात शव

यूनिक समय, मथुरा। थाना गोविंदनगर की मसानी चौकी क्षेत्र में केदार धाम के सामने नाली में पड़ा एक युवक का शव मिला है। थाना प्रभारी रवि त्यागी ने बताया कि नाली के समीप पड़े शव को पुलिस ने नाली से निकलवाया। उसकी उम्र करीब चालीस साल है और उसने नली शर्ट काला लोअर पहन रखा है। बाये हाथ की कलाई में कलावा बंधा हुआ है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव की शिनाख्त कराने का काफी प्रयास किया, लेकिन शव की शिनाख्त नहीं हो सकी। पुलिस ने शव को मोरचरी भेज दिया। शव की शिनाख्त कराने के प्रयास किए जा रहे हैं।

पूर्व विधायक खेले फूलों की होली

यूनिक समय, गोवर्धन। रामचंद्र सीनियर सेकेंड्री स्कूल होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। फाग महोत्सव और लोकगीत गायन किया गया। मुख्य अतिथि पूर्व विधायक राजकुमार रावत थे। उन्होंने लोगों के साथ फूलों की होली खेली। बुजुर्गों और प्रबुद्धजनों का सम्मान भी किया। कार्यक्रम की आयोजक पूर्व प्रधान श्रीमती सीमा, मोहन श्याम शर्मा ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। इस मौके आयोजक मोहनश्याम शर्मा ने आभार जताया।

नववर्ष मेला प्रतियोगिता 15 से 18 मार्च तक होंगी

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। नववर्ष मेला समिति के तत्वावधान में चैत्र शुक्ल प्रतिपदा संवत् 2083 की पूर्व संध्या पर 18 मार्च को आयोजित नववर्ष मेला की विभिन्न प्रतियोगिताएं 15 से 18 मार्च तक सरस्वती शिशु मंदिर दीनदयाल नगर, कृष्णचंद्र गांधी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज और सेठ बीएन पोद्दार इंटर कॉलेज में होंगी। प्रतियोगिताओं में विजयी प्रथम, द्वितीय और तृतीय प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार दिए जाएंगे। प्रतियोगिताओं में भारतीय संस्कृति की झलक दिखाई देगी। नववर्ष मेला समिति प्रतियोगिता विभाग की सरस्वती शिशु मंदिर दीनदयाल नगर में आयोजित बैठक में मेला महामंत्री प्रदीप श्रीवास्तव ने बताया कि 18 मार्च को नववर्ष मेला समिति के बैनर तले विभिन्न आकर्षणों से युक्त मथुरा का परम्परागत विशाल नववर्ष मेला सेठ बीएन पोद्दार इण्टर कॉलेज के मैदान में आयोजित होगा। मेला मंत्री एवं प्रतियोगिता प्रभारी डॉ. दीपा अग्रवाल ने बताया कि 15 मार्च को सरस्वती शिशु मन्दिर दीनदयाल नगर में मेंहदी, पोस्टर बनाओ एवं रंग भरे प्रतियोगिताएं होंगी। 17 मार्च को कृष्णचंद्र गांधी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज माधव कुंज में सामान्य ज्ञान और निबंध प्रतियोगिता और 18 मार्च को मेला स्थल सेठ बीएन पोद्दार इंटर कॉलेज में रंगोली, रूप सज्जा, सामूहिक नृत्य प्रतियोगिता एवं एकल नृत्य प्रतियोगिताएं होंगी। सभी प्रतियोगिताएं सायं 5 बजे से होंगी। प्रतियोगिता संयोजक हरवीर सिंह बताया कि सभी प्रतियोगिताएं भारतीय संस्कृति और देशभक्ति पर आधारित होंगी। एकल व सामूहिक नृत्य प्रतियोगिता का ट्रायल 16 मार्च को सरस्वती शिशु मन्दिर दीनदयाल नगर में दोपहर 2 से 3 बजे तक होगा। सभी प्रतियोगिताओं के पंजीयन की अंतिम तिथि 14 मार्च की दोपहर 2 बजे तक है। मीडिया प्रभारी मुकेश शर्मा के अनुसार प्रतियोगिताओं के विजयी प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार 18 मार्च रात्रि 9 बजे मेला स्थल पर पुरस्कार वितरण समारोह में दिये जायेंगे। सामूहिक प्रतियोगिताओं में प्रथम विजेता को 5100, द्वितीय को 3100 एवं तृतीय को 2100 और एकल प्रतियोगिता में प्रथम को 2100, द्वितीय को 1100 एवं तृतीय को 500 रुपए की धनराशि का नकद पुरस्कार दिया जाएगा।

नववर्ष मेला समिति प्रतियोगिता विभाग की बैठक करते हुए समिति पदाधिकारी।

119 केंद्रों पर शांतिपूर्ण संपन्न हुई हाईस्कूल चित्रकला व इंटर कृषि विषय की परीक्षा

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की बोर्ड परीक्षा मंगलवार को प्रथम पाली में हाईस्कूल की चित्रकला तथा इंटरमीडिएट की कृषि विषयों की परीक्षा जनपद के 119 परीक्षा केंद्रों पर संपन्न हुई। प्राप्त जानकारी के अनुसार हाईस्कूल चित्रकला विषय में कुल 31,837 परीक्षार्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 29,562 छात्र–छात्राएं परीक्षा में बैठे, जबकि 2,275 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इसी प्रकार इंटरमीडिएट के कृषि विषय में कुल 553 परीक्षार्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 530 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी, जबकि 23 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।

13 मार्च को मनाया जाएगा किसान उत्सव दिवस

यूनिक समय, मथुरा। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत किसानों को आर्थिक सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से 13 मार्च 2026 को देशभर में "किसान उत्सव दिवस" मनाया जाएगा। इस अवसर पर असम के गुवाहाटी से प्रधानमंत्री किसानों के बैंक खातों में पीएम–किसान योजना की 22वीं किस्त जारी करेंगे। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देशभर में किया जाएगा, जिससे लाखों किसान वर्चुअल रूप से इस आयोजन से जुड़ सकेंगे। उत्तर प्रदेश शासन के कृषि विभाग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार प्रदेश के सभी मंडलायुक्तों, जिलाधिकारियों और कृषि अधिकारियों को कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने को कहा गया है। इसके तहत जनपद, विकास खंड, ग्राम पंचायत और कृषि विज्ञान केंद्रों पर किसानों की भागीदारी के साथ विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जहां किसान वर्चुअल माध्यम से प्रधानमंत्री के संबोधन और किस्त वितरण कार्यक्रम को देख सकेंगे। सरकारी निर्देशों के मुताबिक कार्यक्रम का सीधा प्रसारण पीएम इंडिया वेबकास्ट डॉट एनआईसी डॉट इन के माध्यम से किया जाएगा। स्थानीय स्तर पर आयोजित कार्यक्रमों में सांसद, विधायक, ग्राम प्रधान, जनप्रतिनिधि और प्रगतिशील किसान भी शामिल होंगे। कृषि विभाग के अनुसार इस आयोजन में कृषि वैज्ञानिकों, किसान उत्पादक संगठनों, सहकारी समितियों, कृषि विज्ञान केंद्रों तथा पुरस्कार प्राप्त किसानों की भी सक्रिय भागीदारी रहेगी।

पुलिस की 'एकतरफा' कार्रवाई के खिलाफ ग्रामीण हुए लामबंद

ग्रामीणों का थाने पर हल्ला बोल

यूनिक समय, कोसीकलां। समीपवर्ती गांव खरोट में बिजली का तार ठीक करने को लेकर हुए विवाद के बाद पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवालिया निशान उठने लगे हैं। बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने कोसीकलां थाने का घेराव कर पुलिस पर एकतरफा कार्रवाई का आरोप लगाते हुए नारेबाजी की। प्रदर्शन में महिलाओं और बच्चों की भारी मौजूदगी ने पुलिस प्रशासन पर दबाव बढ़ा दिया है। घटना की शुरुआत तीन दिन पहले तब हुई जब गांव के ही एक पक्ष द्वारा बिजली का तार ठीक किया जा रहा था। इसी दौरान पुरानी रंजिश के चलते दूसरे पक्ष के करीब एक दर्जन लोगों ने गाली–गलौज करते हुए हमला बोल दिया। लाठी–डंडों से हुई इस मारपीट में एक ही परिवार के पिता और उनके दो बेटे गंभीर रूप से घायल हो गए। ग्रामीणों का कहना है कि दोनों पक्षों के बीच करीब चार महीने से जमीन को लेकर भी विवाद चल रहा है, जिसने इस छोटी सी बात को बड़े खूनी संघर्ष में बदल दिया। सोमवार को थाने पहुंचे ग्रामीणों का मुख्य विरोध पुलिस द्वारा की गई गिरफ्तारी को लेकर था। ग्रामीणों का आरोप है कि पुलिस ने केवल एक पक्ष के भीम, लेखराज और भूरा जैसे लोगों के खिलाफ सक्रियता दिखाते हुए दो लोगों को जेल भेज दिया, जबकि दूसरे पक्ष के लोग, जिन पर महिलाओं के साथ अभद्रता और छेड़खानी का आरोप है, अभी भी खुलेआम घूम रहे हैं। महिलाओं ने पुलिस थाने के गेट पर हंगामा करते हुए कहा कि उनके साथ भी मारपीट और बदसलूकी हुई थी, लेकिन पुलिस ने उनकी शिकायत को अनसुना कर दिया।

थाने के बाहर घंटों चले इस प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि पुलिस ने 24 घंटे के भीतर निष्पक्ष जांच कर दूसरे पक्ष के दोषियों को गिरफ्तार नहीं किया, तो वे जिला मुख्यालय पर धरना देंगे। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि पुलिस किसी राजनीतिक या स्थानीय दबाव में आकर एक पक्षीय कार्रवाई कर रही है, जिससे गांव में असुरक्षा का माहौल है। वहीं, प्रदर्शन के बाद थाना प्रभारी राजकमल सिंह ने ग्रामीणों को शांत कराते हुए निष्पक्षता का आश्वासन दिया।

उन्होंने कहा कि मामला पुरानी रंजिश और मारपीट का है, जिसमें प्राप्त तहरीर और प्राथमिक साक्ष्यों के आधार पर दो गिरफ्तारियां की गई हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि जांच जारी है और यदि दूसरे पक्ष द्वारा छेड़खानी या मारपीट के प्रमाण मिलते हैं, तो उन पर भी सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल एहतियात के तौर पर गांव में पुलिस की गश्त बढ़ा दी गई है।

खाद्य सुरक्षा विभाग का 19 से 28 फरवरी तक चला था अभियान

कई दुकानों से नमूने लिए हजारों किलो खाद्य पदार्थ नष्ट

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। होली के त्योहार पर खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने जिले में मिलावटी और खराब खाद्य पदार्थों की बिक्री रोकने के लिए विशेष अभियान चलाया। यह अभियान 19 से 28 फरवरी तक शहर, कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों में चलाया गया। टीमों ने कई दुकानों पर जांच की और खाने–पीने की चीजों के नमूने लिए। कई जगह खराब और संदिग्ध खाद्य पदार्थों को नष्ट भी कराया गया। अभियान के दौरान टीम ने पेड़ा के 6 नमूने लिए। साथ ही लगभग 664 किलो पेड़ा को नष्ट कराया। इसकी कीमत करीब 1 लाख 32 हजार रुपये थी। इसके अलावा पनीर के 4 नमूने लिए गए और लगभग 200 किलो पनीर को भी नष्ट कराया गया। इसी तरह खोया के 6 नमूने लिए गए और करीब 100 किलो खोया को नष्ट कराया गया। इसकी कीमत लगभग 48 हजार रुपये बताई गई है। घी के 2 नमूने लिए गए और लगभग 15 किलो घी को जब्त किया गया, जिसकी कीमत करीब 10 हजार 500 रुपये है। दूध के 3 नमूने भी जांच को लिए गए। खोया से बनी मिठाइयों के 7 नमूने लिए गए और लगभग 80 किलो मिल्क केक को नष्ट कराया गया। इसकी कीमत करीब 12 हजार रुपये बताई गई है। इसके अलावा सरसों के तेल के 8 नमूने लिए गए और करीब 718 लीटर तेल को जब्त किया गया, जिसकी कीमत लगभग 96 हजार 930 रुपये बताई गई है। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने नमकीन के 3 नमूने, अन्य मिठाइयों के 2 नमूने और अन्य खाद्य पदार्थों के 8 नमूने भी लिए हैं। इन सभी नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है।

नई पीढ़ी को अपनी धरोहर से अवगत कराने का आह्वान

वृंदावन शोध संस्थान में आयोजित प्राचीन पांडुलिपियों की प्राथमिक एवं उपचारात्मक संरक्षण कार्यशाला में भाग लेते छात्र–छात्राएं।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। वृन्दावन शोध संस्थान में मंगलवार को पाँच दिवसीय प्राचीन पांडुलिपियों की प्राथमिक एवं उपचारात्मक संरक्षण कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। उद्घाटन सत्र के दौरान एन.आर.एल.सी. लखनऊ के पूर्व प्रशिक्षक प्रमोद कुमार पाण्डे ने कार्यशाला के महत्व पर प्रकाश डाला। कहा कि प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा का संवर्धन पांडुलिपियों के संरक्षण से जुड़ा है। पांडुलिपियों के संरक्षण से ही आगे आने वाली पीढ़ी जान सकेगी कि उनके पूर्वजों का ज्ञान कितने उच्च स्तर पर था। यह हमारा का कर्तव्य है कि नई पीढ़ी को अपनी धरोहर से अवगत कराये और उनको प्रशिक्षित कर उनके सुरक्षित हाथों में पांडुलिपियों को सौंपें। संस्थान के निदेशक डॉ. राजीव द्विवेदी ने कहा कि संस्थान द्वारा पिछले 58 वर्षों से पांडुलिपियों के संरक्षण का कार्य किया जा रहा है। अतिथियों का स्वागत संस्थान प्रशासनाधिकारी रजत शुक्ला ने किया। कार्यशाला का संयोजन एवं संचालन संरक्षण सहायक करवेंद्र सिंह ने किया। संरक्षण कार्यशाला में प्रथम दिन छात्र–छात्राओं को पांडुलिपियों के प्रकार, पांडुलिपि की विकृतियों के प्रकार एवं विकृतियों के प्राथमिक उपचार के बारे में जानकारी प्रदान की गई। कार्यशाला में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, संपूर्णानंद संस्कृति विवि, डॉ. बी.आर. आंबेडकर वि.वि, रीजनल आयुर्वेदिक रिसर्च इंस्टीट्यूट, के अलावा कोलकाता, दिल्ली, मुंबई, पटना, पूणे, मथुरा, गोवर्धन आदि के प्रतिभागी सहभागिता कर रहे हैं। राजकीय महाविद्यालय, माँट के डॉ. गौरव कुमार सिंह एवं डॉ. श्याम सुंदर ठैनुँआ सहित लगभग 21 छात्र–छात्राओं ने संस्थान के ब्रज संस्कृति संग्रहालय, हस्तलिखित ग्रंथागार, संरक्षण विभाग आदि का परिभ्रमण किया।

हत्या के आरोप पर कब्र से पुलिस ने निकलवाया महिला का शव

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। थाना राया के गांव भंकरपुर बसेला में एक महिला की उसकी सास ने देवर के साथ मिलकर रात में हत्या कर दी। इसके बाद हार्ट अटैक बताते हुए महिला को कब्रिस्तान में दफन करा दिया। बाद में इस मामले का पता लगने पर आठ दिन बाद मजिस्ट्रेट के आदेश महिला की कब्र को खुदवाकर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। गांव भंक रपुर बसेला में दो मार्च की रात अनवरी (48) पत्नी अनवार की बहू ने देवर के साथ मिलकर उसके साथ मारपीट करने के बाद उसकी हत्या कर दी। अनवरी की मौत को परिवार के लोगों ने हार्ट अटैक बताया। अनवरी को परिवार के लोगों ने मुस्लिम रीती रिवाज के अनुसार तीन मार्च को कब्रिस्तान में ले जाकर कब्र में दफन कर दिया। इसके बाद अनवरी की बहू हिना ने अपनी ननद आदि के साथ लड़ाई करना शुरू कर दिया और पति से तलाक मांगने लगी। यहीं से बस गांव के लोगों और परिवार को शक हुआ। बाद में पता लगा कि अनवरी के शरीर पर चोटों के निशान थे, लेकिन इस पर किसी ने ध्यान नहीं दिया। परिवार के लोगों और ग्रामीणों ने घटना की जांच कराने के लिए पुलिस से शिकायत की गई। इस पर बाद में मजिस्ट्रेट ने अनवरी के शव को कब्र खोदकर निकलवाने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिवार के लोगों का आरोप है कि हिना के अपने चचेरे देवर आदिल के साथ अवैध संबंध थे। उस रात सास के देख लेने के कारण हिना और आदिल ने उसके साथ मारपीट की और गला दबाकर हत्या कर दी। बताया गया कि घटना वाले दिन हिना का पति आमिर साथनी स्थित एक पेट्रोल पंप पर नौकरी करने के लिए गया था। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

आठ दिन पहले महिला को दफनाया गया था

बहू के देवर से अवैध संबंध बने हत्या का कारण

गौसना के समीप ट्रक ने छात्र को रौंदा, मौके पर हुई मौत

यूनिक समय, मथुरा। थाना यमुनापार के राया–मथुरा रोड पर स्कूल के लिए जाते एक छात्र की ट्रक की टक्कर से मौत हो गई। बताया गया कि गांव गौसना निवासी राजेंद्र का पुत्र रोहित(18) स्कूल में पढ़ने के लिए जा रहा था। आज प्रातः करीब साढ़े सात बजे वह गांव के बाहर मथुरा–राया रोड पर पहुंचा। इसी बीच तेजगति से आते किसी ट्रक ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। ट्रक की टक्कर से उसकी मौके पर मौत हो गई। गांव के समीप हुई दुर्घटना को देख काफी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्रित हो गए। रोहित की सड़क दुर्घटना में हुई मौत का पता लगने पर उसके परिवार में कोहराम मच गया। दुर्घटना की सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

यदुवंशी समाज की बैठक में युवाओं में एकजुटता पर दिया जोर

यूनिक समय, छाता (मथुरा)। छाता क्षेत्र के ग्राम नरी स्थित दाऊजी मंदिर के सामने चौपाल पर यदुवंशी समाज की बैठक में समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने और युवा शक्ति को संगठित करने पर मंथन किया। सतीश चंद जादौन ने कहा कि समाज की उन्नति के लिए युवाओं का एक मंच पर आना अनिवार्य है। उन्होंने समाज में होने वाले आपसी विवादों पर चिंता व्यक्त करते हुए आह्वान किया कि किसी भी प्रकार के झगड़े या विकट परिस्थिति में यदुवंशी समाज के 52 गांवों के युवाओं को एकजुट होकर सामूहिक निर्णय लेना चाहिए। अजय सिंह जादौन ने कहा कि युवाओं को आपसी मतभेद भुलाकर सामाजिक एकता के लिए कार्य करना होगा, जो लोग समाज में अच्छा कार्य कर रहे हैं, उन्हे सम्मानित किया जाए। समाज के सभी संगठन अपने अपने गांव में टीम बनाए ताकि समाज को नई दिशा मिल सके। बैठक में कुरीतियों को त्यागने और शिक्षा व अनुशासन को प्राथमिकता देने का भी संकल्प लिया गया। बैठक में चंद्रपाल सिंह, यशपाल मास्टर, राजवीर, प्रताप सिंह, विष्णु तथा रामहंस आदि उपस्थित थे।

25 दिन के नियम से ठेला कारोबार पर असर

सिलेंडर देरी से मिलने पर ठेले वालों की रोजी संकट में

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। केंद्र सरकार द्वारा घरेलू एलपीजी सिलेंडर की बुकिंग के नियमों में बदलाव किए जाने के निर्देश के बाद छोटे व्यापारियों और ठेला विक्रेताओं में चिंता बढ़ गई है। नए नियम के अनुसार अब गैस सिलेंडर की बुकिंग के बाद पहले की 25 दिन बाद डिलीवरी मिलेगी। इस बदलाव का सबसे ज्यादा असर उन लोगों पर पड़ेगा जो ठेलों पर चाय, नाश्ता, पकौड़ी, समोसा या अन्य खाद्य सामग्री बेचकर अपने परिवार का पालन–पोषण करते हैं। शहर में बड़ी संख्या में लोग गैस सिलेंडर का उपयोग कर ठेलों पर रोजी–रोटी कमाते हैं। इन लोगों का कहना है कि सिलेंडर की डिलीवरी की बढ़ोतरी उनके काम को प्रभावित करेगी। कई बार सिलेंडर खत्म होने की स्थिति में उन्हें काम बंद करना पड़ता है। ठेला विक्रेताओं का कहना है कि उनका पूरा व्यवसाय गैस सिलेंडर पर निर्भर है। यदि समय पर

सिलेंडर नहीं मिलता तो उन्हें या तो महंगा सिलेंडर खरीदना पड़ता है या फिर कुछ दिन तक काम बंद रखना पड़ता है। छोले भटूरे विक्रेता राम सिंह ने बताया कि पहले ही महंगाई और बढ़ती लागत से छोटे व्यापारियों की स्थिति कठिन है। ऐसे में सिलेंडर की डिलीवरी अवधि बढ़ने से उनकी परेशानी और बढ़ सकती है। चाय विक्रेता राजेश कुमार ने बताया कि उनका पूरा काम गैस सिलेंडर पर चलता है। कई बार सिलेंडर अचानक खत्म हो जाता है और नया सिलेंडर समय से नहीं मिलता। अब 25 दिन का नियम लागू होने से और दिक्कत बढ़ेगी। समोसा विक्रेता शिवकुमार यादव का कहना है कि रोज कमाकर परिवार चलाने वाले लोगों के लिए चार दिन की देरी भी बहुत मायने रखती है। यदि सिलेंडर समय पर नहीं मिला तो दुकान बंद करनी पड़ सकती है। मोहनलाल पकौड़ी विक्रेता का कहना है, कि गैस सिलेंडर खत्म होने के बाद इंतजार करना मुश्किल होता है। कई बार मजबूरी में महंगे दाम पर सिलेंडर लेना पड़ता है जिससे कमाई कम हो जाती है। रामनिवास चाट विक्रेता का कहना है कि छोटे व्यापारियों के लिए गैस सिलेंडर बहुत जरूरी है। डिलीवरी में देरी होने से रोजमर्रा के काम पर असर पड़ेगा। कैसे परिवार को पालन पोषण होगा। सलीम ने बताया कि ठेला चलाकर परिवार का खर्च चलता है। यदि गैस समय से नहीं मिली तो आय रुक जाएगी और परिवार चलाना मुश्किल हो जाएगा। धर्मेंद्र सिंह चाय विक्रेता का कहना है कि पहले से ही गैस की कीमत और अन्य खर्च बढ़ चुके हैं। अब डिलीवरी में देरी से छोटे कारोबारियों की परेशानी और बढ़ सकती है। फास्ट्फूड़ विक्रेता सोहनलाल का कहना है कि यदि सरकार इस नियम को लागू करती है तो ठेला विक्रेताओं और छोटे व्यवसायियों के लिए अलग व्यवस्था बनानी पड़ेगी।

रतनलाल स्कूल में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर रंगारंग कार्यक्रम

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में शिक्षिका एवं अतिथि।

यूनिक समय, मथुरा। रतनलाल स्कूल में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस बड़े उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में महिलाओं की भूमिका, उनके अधिकारों और सशक्तिकरण के प्रति जागरूकता फैलाना था। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. नीता सिंह, कार्यक्रम अध्यक्षा अनीता चावला, मुख्य अतिथि डॉ. चारू जैन, विशिष्ट अतिथि दलजीत कौर, मुख्य वक्ता गंगा रानी व निधि शर्मा तथा कौशल विकास संचालिका मीनल अग्रवाल द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। विद्यालय की शिक्षिकाओं ने नारी शक्ति पर आधारित नृत्य, रैंप वॉक, गायन और प्रश्नमंच जैसी आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। अतिथियों ने महिलाओं के सम्मान, अधिकार और समाज में उनकी अहम भूमिका पर अपने विचार रखे। निर्णायक मंडल के निर्णय अनुसार दीप्ति अग्रवाल को मिस आरएलपीकेडी, दिपम्ल शर्मा को प्रथम रनर–अप और कुमारी पलक को द्वितीय रनर–अप घोषित किया गया। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन और महिला सम्मान के संकल्प के साथ हुआ।

ब्रज चौरासी कोस यात्रा को झंडी दिखाकर किया रवाना

ब्रज चौरासी कोस यात्रा को रवाना करते अखिल भारतीय खंडेलवाल वैश्य महासभा के पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। अखिल भारतीय खंडेलवाल वैश्य महासभा के बैनर तले आयोजित ब्रज 84 कोस की आठ दिवसीय दूसरी धार्मिक यात्रा को मंगलवार को गोवर्धन स्थित प्रेम सेवन निकेतन से प्रारंभ किया। महासभा के प्रधानमंत्री महेश कानूनगो, आजीवन मुख्य संरक्षक कृष्ण मुरारी खंडेलवाल, महासभा के संरक्षक सतीश तमोलिया ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस यात्रा में देश के विभिन्न राज्यों से आए लगभग समाज के सैकड़ों लोगों ने भाग लिया। सह–संयोजक राजेंद्र खंडेलवाल ने बताया कि खंडेलवाल वैश्य महासभा द्वारा खाटू श्याम महाअधिवेशन के बाद से समाज बंधुओं के लिए विभिन्न धार्मिक यात्राओं का आयोजन किया जा रहा है। जून 2026 में कैलाश मानसरोवर यात्रा भी की जाएगी। इस मौके पर प्रहलाद खंडेलवाल, बद्री प्रसाद, बनवारी लाल, बृजेश बंडा, रामजीलाल फतेहपुरिया, रमेश खंडेलवाल, घनश्याम शर्मा एवं सौरभ तमोलिया आदि मौजूद थे।

नगर निगम के तीनों जोनों में जनसुनवाई

नगर निगम के कार्यालय में जन सुनवाई करते अपर नगर आयुक्त।

यूनिक समय, मथुरा। संभव संतुष्टि एवं समृद्धि के अंतर्गत जन शिकायतों के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण हेतु निर्देशित किया गया। मंगलवार को सुबह भूतेश्वर स्थित नगर निगम कार्यालय में अपर नगर आयुक्त सौरभ सिंह, वृंदावन जोनल कार्यालय में अपर नगर आयुक्त चंद्र प्रकाश पाठक तथा जनरल गंज स्थित नगर निगम मथुरा–वृंदावन कार्यालय में अपर नगर आयुक्त अनिल कुमार ने जनसुनवाई की। जनसुनवाई के दौरान नगर निगम के सभी विभागाध्यक्ष उपस्थित थे। जनसुनवाई के दौरान भूतेश्वर जोन में 09, सिटी जोन में 03 तथा वृंदावन जोन में कुल 02 शिकायतें प्राप्त हुई हैं। जनसुनवाई में सहायक नगर आयुक्त राकेश कुमार त्यागी, सहायक नगर आयुक्त अनुज कौशिक, मुख्य अभियंता निर्माण अमरेंद्र गौतम, अधिशासी अभियंता जल राम कैलाश, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रामगोपाल आदि उपस्थित थे।

गिलट आभूषण व्यवसायी समिति का वार्षिक सैल महोत्सव 13 मार्च को

अन्नपूर्णा रथ की रवानगी के समय मौजूद पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। गिलट आभूषण व्यवसायी समिति के तत्वावधान में वार्षिक सैल महोत्सव 13 मार्च को भागवत सेवा संस्थान, कुसुम सरोवर में आयोजित किया जाएगा। महोत्सव के तहत अन्नपूर्णा रथ भंडारे की सामग्री लेकर आज रवाना हुआ। समिति के उपाध्यक्ष राहुल नक्षत्र ने बताया कि 13 मार्च को सुबह 9 बजे श्री गिर्राज का दूध, दही, शहद और बूरा से अभिषेक किया जाएगा। इसके बाद 11 बजे छप्पन भोग अर्पित किए जाएंगे, जो देर शाम तक श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए खुले रहेंगे। दोपहर 12 बजे से भंडारा प्रसादी का आयोजन होगा। अन्नपूर्णा रथ की रवानगी के समय अध्यक्ष दिनेश अग्रवाल (सादाबाद वाले), उपाध्यक्ष गुड्डू अग्रवाल, राहुल नक्षत्र, मुख्य संयोजक प्रेमचंद महावर, सहमंत्री सुरेंद्र चौधरी, महामंत्री शंकर अग्रवाल, अंकित गुरु, कोषाध्यक्ष अनिल कुमार, नीरज अग्रवाल, बृजेश अग्रवाल, राहुल नवरत्न, गिरिराज अग्रवाल, नितिन मुनीम और तरुण अग्रवाल सहित समिति के कई सदस्य मौजूद रहे।

किसान का बेटा बना लेफ्टिनेंट, घर पहुंचने पर भव्य स्वागत

लेफ्टिनेंट बनकर आए अंशुल गौतम का स्वागत करते महोली रोड क्षेत्र के लोग एवं परिवार के सदस्य

यूनिक समय, मथुरा। एक किसान के बेटे के सेना में लेफ्टिनेंट बनने पर खुशी और गर्व का माहौल दिखाई दिया। लेफ्टिनेंट के अपने घर पहुंचने पर कॉलोनी के लोगों ने ढोल–नगाड़ों के मध्य पुष्प वर्षा कर उसका स्वागत किया। भारत माता की जय के नारों के साथ मिठाई बांटी। इस दौरान लेफ्टिनेंट के माता–पिता बेहद भावुक नजर आए। स्थानीय लोगों ने कहा कि एक किसान परिवार से निकलकर सेना में अधिकारी बनना पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है और यह युवाओं को देश सेवा के लिए प्रेरित करेगा। बता दें कि ईस्ट प्रताप नगर, महोली रोड निवासी महेश गौतम पेशे से किसान हैं। उनके पुत्र अंशुल गौतम (25) की सेना में लेफ्टिनेंट पद पर नियुक्ति हुई है। उन्होंने बताया कि अंशुल की रुचि शुरू से ही सेना में जाने की थी।

उन्होंने दसवीं की परीक्षा ग्रेस कॉन्वेंट स्कूल से तथा बारहवीं की परीक्षा कान्हा माखन स्कूल से अच्छे नंबरों से उत्तीर्ण की। इसके बाद उन्होंने अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी से बीटेक सिविल इंजीनियरिंग में दाखिला लिया। दो साल तक प्रयागराज में एक कंस्ट्रक्शन कंपनी में भी कार्य किया।

साथ ही वे सेना जाने के लिए प्रयासरत रहे, इस दौरान उनका आर्मी के साथ ही एयरफोर्स में भी चयन हुआ। उन्होंने आर्मी को चुना और अब उन्हें लेफ्टिनेंट के पद पर पदोन्नत किया है आंगनबाड़ी

माता–पिता हुए भावुक, कॉलोनी में मिठाई बांटकर मनाया गया जश्न

में कार्यकत्री उनकी मां मिथलेश गौतम और पिता महेश गौतम अपने पुत्र को देखकर भावुक नजर आए। नए बस स्टैंड से घर तक जोरदार स्वागत किया गया।

इस मौके पर उमेश गौतम, धीरेन्द्र भारद्वाज, गौरव वार्ष्णेय, सुभाषचंद्र अग्रवाल, महेश वार्ष्णेय, पार्षद कुलदीप पाठक, रजनी सिंह, कुंजबिहारी गौतम, राजकुमार तोमर, ओमप्रकाश गौतम, गिरीश गौतम, हरिओम चौधरी, मंजू तोमर, स्नेहलता, रश्मि कुलश्रेष्ठ, सुनीता गौतम, लता गौतम, मिथलेश तोमर तथा अंजना गोयल आदि ने नव–नियुक्त लेफ्टिनेंट को बधाई दीं।

गांधी इंटर कॉलेज में हाई स्कूल चित्रकला की परीक्षा हुई

यूनिक समय, छाता (मथुरा)। गोवर्धन रोड स्थित गांधी इंटर कॉलेज में हाई स्कूल चित्रकला परीक्षा शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई। दर्जनों की संख्या में छात्र–छात्राओं में चित्रकला परीक्षा दी। परीक्षा देकर लौटती छात्रा रोशनी, मुस्कान, हिना, नैना, संजय लोकेश अधाना ने बताया कि प्रश्न पत्र बहुत अच्छा था। समय से पहले ही पेपर को हल कर दिया था।

जोधपुर झाल वेटलैंड में दिखीं 'कसाई पक्षी' की पांच प्रजातियां

मुख्य संवाददाता

ब्रज तीर्थ विकास परिषद व वन विभाग से विकसित हो रहा वेटलैंड

दो स्थानीय और तीन प्रवासी श्राइक प्रजातियों की हुई पहचान

मध्य एशिया से लंबी दूरी तय कर पहुंचते हैं पक्षी

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद ने वन विभाग के सहयोग से फरह स्थित जोधपुर झाल वेटलैंड में कराए गए शीतकालीन पक्षी सर्वेक्षण के दौरान श्राइक यानी 'कसाई पक्षी' की पांच अलग-अलग प्रजातियां दर्ज की गई हैं। इनमें दो स्थानीय (आवासीय) और तीन प्रवासी प्रजातियां शामिल हैं, जो मध्य और पूर्वी एशिया से लंबी दूरी तय कर भारत पहुंचती हैं। सर्वेक्षण में स्थानीय प्रजातियों के रूप में बे-बैक्ड श्राइक और लॉन्ग-टेल्ड श्राइक की मौजूदगी दर्ज की गई, जबकि प्रवासी प्रजातियों में ग्रेट-ग्रे श्राइक, इसेबेलाइन श्राइक और ब्राउन श्राइक देखे गए। विशेषज्ञों के अनुसार ये तीनों प्रजातियां शीतकालीन प्रवासी हैं, जो रूस, मंगोलिया और कजाकिस्तान जैसे मध्य एशियाई क्षेत्रों से भारत आती हैं। बायोडायवर्सिटी रिसर्च एंड डेवलपमेंट सोसाइटी के ईकोलॉजिस्ट डॉ. के.पी. सिंह के अनुसार श्राइक पक्षियों को पक्षी वर्गीकरण में लानिडे परिवार में रखा गया है और अधिकांश प्रजातियां लेनियस वंश से संबंधित हैं। ये मध्यम आकार के पैसराइन पक्षी होते हैं, जिनकी लंबाई सामान्यतः 16 से 25 सेंटीमीटर के बीच होती है। श्राइक पक्षियों की सबसे खास पहचान उनकी अनोखी शिकार करने की शैली है। इसी कारण इन्हें अंग्रेजी में "बुचर बर्ड" यानी कसाई पक्षी भी कहा जाता है। ये पक्षी अक्सर ऊंचे पेड़ों, झाड़ियों, बिजली के तारों या बाड़ों पर बैठकर कीट, छिपकलियों, चूहों और छोटे पक्षियों का शिकार करते हैं। कई बार ये अपने शिकार को कांटेदार झाड़ियों, तारों या नुकीली टहनियों पर फंसा कर रख देते हैं, ताकि बाद में उसे खा सकें। डॉ. के.पी. सिंह के अनुसार जोधपुर झाल वेटलैंड में श्राइक की पांच प्रजातियों का दर्ज होना इस क्षेत्र के वेटलैंड और आसपास के झाड़ीदार घासस्थल पारिस्थितिकी तंत्र की महत्ता को दर्शाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह क्षेत्र प्रवासी पैसराइन पक्षियों के लिए महत्वपूर्ण विश्राम और भोजन स्थल के रूप में विकसित हो रहा है। श्राइक पक्षियों का शरीर आमतौर पर भूरे, धूसर या सफेद रंग का होता है और आंखों के पास चौड़ी काली पट्टी मुखौटे जैसी दिखाई देती है। ये बेहद सतर्क पक्षी होते हैं और ऊंची टहनियों पर बैठकर अपने शिकार पर नजर रखते हैं। उनकी आवाज तेज और तीखी होती है तथा कई बार ये अन्य पक्षियों की आवाज की नकल भी कर लेते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार मथुरा का जोधपुर झाल वेटलैंड इन पक्षियों के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान कर रहा है, जिससे यहां प्रवासी पक्षियों की संख्या लगातार बढ़ने की संभावना है।

होली मिलन समारोह में झूम उठा महावर वैश्य समाज

होली मिलन समारोह में राधा-कृष्ण के स्वरूपों के साथ फूलों की होली खेलते मंडल के पदाधिकारी व सदस्य।

यूनिक समय, मथुरा। महावर वैश्य सेवा मंडल द्वारा स्थानीय मैरिज होम में होली मिलन समारोह का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के बीच कृष्ण-राधा के स्वरूपों के साथ फूलों की होली खेली गई, जिससे वातावरण भक्तिमय और रंगारंग बन गया। समारोह के दौरान कवि सम्मेलन का भी आयोजन किया गया, जिसमें कवियों ने होली और सामाजिक विषयों पर अपनी रचनाएं प्रस्तुत कीं। वहीं बच्चों ने भी विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया और सभी ने मिलकर उत्साहपूर्वक होली का आनंद लिया।

महावर वैश्य सेवा मंडल का होली मिलन समारोह संपन्न

कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत कर उन्हें सम्मानित किया गया। इस अवसर पर महावर वैश्य सभा के अध्यक्ष विपिन कुमार गुप्ता, मंत्री नरेंद्र कुमार गुप्ता, राजकुमार गुप्ता, पवन गुप्ता, मनोज गुप्ता सहित कई पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। मंडल के अध्यक्ष रजत गुप्ता, मंत्री चिन्मय गुप्ता और कोषाध्यक्ष राहुल गुप्ता ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

महिला दिवस पर डीएटीआर टोल प्लाजा पर महिलाओं का सम्मान

डीएटीआर टोल प्लाजा पर महिला को सम्मानित करते अधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर डीएटीआर टोल प्लाजा पर टोल प्रशासन ने आयोजित विशेष कार्यक्रम में टोल के अधिकारी एवं कर्मचारियों ने महिला यूजर्स तथा टोल पर कार्यरत महिला कर्मियों का सम्मान करते हुए केक काटकर कार्यक्रम की शुरुआत की। कार्यक्रम के दौरान महिला टोल कर्मियों और टोल से गुजरने वाली महिला वाहन चालकों को गिफ्ट एवं प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। इस पहल का उद्देश्य समाज में महिलाओं के योगदान को सम्मान देना और उनके प्रति आभार व्यक्त करना है। टोल मैनेजर ओकिल शर्मा ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से महिलाओं को और अधिक आत्मविश्वास के साथ कार्य करने की प्रेरणा मिलती है। गौरव चौधरी सहित टोल प्लाजा के कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर टोल स्टाफ उपस्थित रहा।

सात दिवसीय विशेष शिविर में 'सड़क सुरक्षा' जागरूकता रैली

व्याख्यान में विचार व्यक्त करते वक्ता।

यूनिक समय, वृंदावन। आईओपी कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर के पंचम दिन स्वयंसेवकों ने रैली निकालकर नागरिकों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। रैली का शुभारंभ शिविर स्थल बीआईएमटी कैम्पस से हुआ। कार्यक्रम अधिकारी ने कहा कि सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करना चाहिए। सभी को वाहन चलाते समय सीट बेल्ट, हेलमेट व अन्य सभी नियमों का पालन करना जरूरी है। कार्यक्रम अधिकारी हेमेन्द्र कुमार ने कहा कि सड़क सुरक्षा एक महत्वपूर्ण मुद्दा है जो चालकों, पैदल यात्रियों, साइकिल चालकों व सभी सड़क उपयोगकर्ताओं को प्रभावित करता है। असिस्टेन्ट प्रोफेसर वाणिज्य श्रीमती मृदुला पाण्डेय ने साइबर सुरक्षा के विषय में छात्र-छात्राओं को जानकारी दी। इस अवसर पर प्रो. अनंत कुमार यादव, प्रो. योगेन्द्र पाल सिंह सोलंकी, प्रो. संजय कुमार सिंह, प्रो. दीपिका वर्मा, डॉ. विवेक शर्मा, सुनीत शुक्ला, पवित्र गोस्वामी,धर्मेन्द्र कुमार, सुभाष कृष्ण सरकार तथा सौरभ कुलश्रेष्ठ उपस्थित थे।

महिला दिवस पर राहुल गांधी ने सुनीं महिलाओं की आवाज

विशेष बैठक में शामिल हुई मथुरा की पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर युवा नेता राहुल गांधी ने इंदिरा भवन में महिलाओं के साथ एक विशेष बैठक आयोजित की। इस कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों से आई महिलाओं ने उत्साह और आत्मविश्वास के साथ भाग लिया और अपनी सक्रिय भागीदारी से यह संदेश दिया कि महिलाएँ किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। बैठक के दौरान राहुल गांधी ने कहा कि आने वाले समय में महिलाओं को राजनीति और समाज में अधिक से अधिक अवसर दिए जाएंगे। उन्होंने महिलाओं को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए हर संभव प्रयास करने का संकल्प दोहराया। इस अवसर पर महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष शिखा चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष ममता राजपूत, रीना सिंह कन्नौज, एडवोकेट श्वेता यादव भरतपुर तथा सुनीता चौधरी (चूरू) सहित कई महिलाएँ मौजूद रहीं।

द्वारकाधीश मंदिर में होंगे भव्य मनोरथ

प्रमुख संवाददाता

द्वारकाधीश मंदिर में होने वाले कार्यक्रम के कार्ड का विमोचन करते मीडिया प्रभारी राकेश तिवारी समेत अन्य।

कांकरोली नरेश का होगा नागरिक अभिनंदन

यूनिक समय, मथुरा। पुष्टिमार्गीय संप्रदाय की तृतीय पीठ के पीठाधीश्वर, कांकरौली नरेश श्री श्री 108 डॉ. वागीश कुमार जी महाराज का 'षष्ठीपूर्ति महोत्सव' (60वां जन्म महोत्सव) ठाकुर द्वारकाधीश मंदिर और षष्ठीपूर्ति महोत्सव समिति द्वारा बड़ी धूमधाम से मनाया जा रहा है। इस महत्वपूर्ण उत्सव की विस्तृत जानकारी देते हुए मंदिर के विधि एवं मीडिया प्रभारी तथा कार्यक्रम के सह-संयोजक राकेश तिवारी एडवोकेट ने पत्रकार वार्ता में बताया कि कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण 14 मार्च को 'पांचजन्य प्रेक्षागृह' डेंपियर नगर में आयोजित होने वाला अभिवादन एवं सम्मान समारोह होगा। 13 मार्च को ठाकुर जी का सोने के पालने में 'नंद महोत्सव', 'कुंनवारा' एवं 'फूलडोल' का भव्य मनोरथ, 14 मार्च को राजभोग मंदिर में 'हटरी' के विशेष दर्शन, अपराह्न 3:30 बजे पांचजन्य प्रेक्षागृह में सांस्कृतिक कार्यक्रम, महाराज श्री का नागरिक अभिनंदन एवं उनके वचनामृत, सायंकाल मंदिर परिसर में भव्य 'दीपदान' तथा 15 मार्च को प्रातःकालः यमुना महारानी का 'चुनरी मनोरथ', सायंकाल ठाकुर द्वारकाधीश महाराज को '56 भोग' अर्पित किए जाएंगे, जिसके दर्शन आम जनमानस के लिए उपलब्ध रहेंगे। इस समारोह में ब्रजमंडल के प्रमुख संतों के साथ-साथ कई दिग्गज विभूतियां उपस्थित रहेंगी। इनमें न्यायमूर्ति अशोक कुमार गुप्ता एवं राहुल चतुर्वेदी (उच्च न्यायालय), यूपी के गन्ना विकास एवं चीनी मिल मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण, राज्यसभा सदस्य एवं भाजपा राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह, विधायक श्रीकांत शर्मा, कमिश्नर आगरा मंडल नागेंद्र प्रताप, डीआईजी आगरा शैलेश कुमार पांडे, जिला जज विकास कुमार प्रथम, जिलाधिकारी शैलेंद्र कुमार सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार एवं एडीएम अभिनव जैन आदि हैं। पत्रकार वार्ता में मुकेश भाई मेहता, नरेंद्र भाई, नल्लू काका, सहदेव कृष्ण चतुर्वेदी, वैद्य अशोक शर्मा तथा बृजेश चतुर्वेदी आदि मौजूद थे।

भगवान श्री गोदा रंगमन्नार श्री शेषनाग पर विराजकर निकले

यूनिक समय, वृंदावन। श्री रंगनाथ मन्दिर के श्री ब्रहमोत्सव के चतुर्थ दिवस मंगलवार की प्रातःकालीन सवारी में भगवान श्री गोदा रंगमन्नार चाँदी से निर्मित श्री शेषनाग पर विराजते हुए सभी भक्तों को दर्शन दिए । इससे पहले श्री रंग मन्दिर के श्री ब्रह्मोत्सव के तृतीय दिवस देर शाम की सवारी में भगवान् श्री रंगनाथ ने अपने प्रिय भक्त शिरोमणी संकट मोचन हनुमान जी महाराज के कंधो पर विराजमान होकर सभी भक्तों को दर्शन देने निकले। सवारी के बड़े बगीचा मैदान में पहुंचने पर भव्य आतिशबाजी की गई। जिसे देखकर भक्त रोमांचित हो उठे।

यूपी कैबिनेट के बड़े फैसले

प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन से पहले अब खतौनी से होगा नाम का मिलान

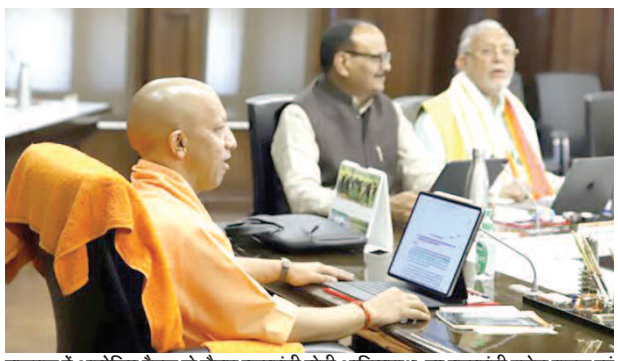

लखनऊ में आयोजित बैठक के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक एवं वित्त मंत्री सुरेश खन्ना।

लखनऊ ब्यूरो

यूनिक समय, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई उत्तर प्रदेश कैबिनेट बैठक में कई अहम फैसले लिए गए। बैठक में 31 प्रस्तावों पर चर्चा हुई, जिनमें से 30 को मंजूरी दे दी गई। सरकार ने प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए बड़ा निर्णय लिया है। अब किसी भी संपत्ति की रजिस्ट्री से पहले विक्रेता के नाम का खतौनी से मिलान अनिवार्य किया जाएगा। यदि नाम में अंतर पाया जाता है तो रजिस्ट्रेशन विभाग इसकी जांच करेगा। इससे जमीन से जुड़े फर्जीवाड़े और विवादों पर रोक लगने की उम्मीद है। कैबिनेट ने स्टाम्प शुल्क से जुड़े नियमों में भी बदलाव किया है। पहले सर्किल रेट पर एक प्रतिशत शुल्क और विकास शुल्क के दो प्रतिशत अतिरिक्त स्टांप शुल्क की राशि यूसी जारी होने के बाद निकायों को मिलती थी। अब यह राशि छमाही आधार पर जारी की जाएगी, जिससे विकास कार्यों को गति मिलने की संभावना है। सरकार ने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत आवास निर्माण की सीमा भी बढ़ा दी है। पहले जहां 22 वर्गमीटर तक मकान का निर्माण किया जा सकता था, अब इसे बढ़ाकर 30 वर्गमीटर कर दिया गया है। साथ ही मकान की लागत सीमा 6 लाख रुपये से बढ़ाकर 9 लाख रुपये कर दी गई है। इसमें राज्य सरकार की ओर से 1 लाख और केंद्र सरकार की ओर से 1.5 लाख रुपये की सहायता दी जाएगी। इसके अलावा सरकार ने कांशीराम आवास योजना के खाली पड़े मकानों की मरम्मत कराकर उन्हें दलित परिवारों को देने का फैसला किया है। सरकारी कर्मचारियों के लिए भी निवेश से जुड़े नियम सख्त किए गए हैं। अब छह महीने के मूल वेतन से अधिक निवेश की जानकारी देना अनिवार्य होगा और हर साल अचल संपत्ति का विवरण देना पड़ेगा। सरकार ने शिक्षकों को राहत देते हुए अशासकीय विद्यालयों के शिक्षकों को भी कैशलेस इलाज की सुविधा देने का फैसला किया है। इससे प्रदेश के लगभग 1.28 लाख शिक्षकों को लाभ मिलने की उम्मीद है।

शिक्षकों को कैशलेस इलाज

आवास योजना और कर्मचारियों के निवेश नियमों में बदलाव

यूपी के हजारों गांवों को पहली बार मिलेगी बस सेवा

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने ग्रामीण परिवहन व्यवस्था को मजबूत करने के लिए बड़ा फैसला लिया है। कैबिनेट बैठक में सीएम ग्राम परिवहन योजना 2026 को मंजूरी दे दी गई है। इस योजना के तहत प्रदेश की 59,163 ग्राम सभाओं को बस सेवा से जोड़ा जाएगा। सरकार के मुताबिक करीब 12,200 ऐसे गांव हैं जहां अब तक बस सेवा नहीं पहुंची। इन गांवों में पहली बार 28 सीटर बसें चलाई जाएंगी। शुरुआत में प्रत्येक रूट पर दो बसें संचालित की जाएंगी, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में आने-जाने की सुविधा बेहतर हो सकेगी। इस योजना के तहत बस सेवा को टैक्स से मुक्त रखा जाएगा और निजी क्षेत्र को भी संचालन की अनुमति दी जाएगी। बसों का संचालन अनुबंध के आधार पर होगा, जिसकी अवधि 10 वर्ष तय की गई है, जबकि बसों की औसत आयु 15 वर्ष निर्धारित की गई है। सरकार का कहना है कि इस योजना से ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन आसान होगा, रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और शिक्षा, स्वास्थ्य तथा व्यापार से जुड़े लोगों को भी बड़ी सुविधा मिलेगी। लंबे समय से बस सेवा से वंचित गांवों को पहली बार सीधी परिवहन सुविधा मिलने से ग्रामीण विकास को भी गति मिलने की उम्मीद है।

12,200 गांवों में चलेंगी 28 सीटर बसें

सीएम ग्राम परिवहन योजना को मंजूरी

योगी की मां का अपमान

प्रदेश में विरोध प्रदर्शन, मौलाना की गिरफ्तारी की मांग तेज

लखनऊ ब्यूरो

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मां को लेकर बिहार के मौलाना अब्दुल्लाह सलीम द्वारा दिए गए कथित आपत्तिजनक बयान ने पूरे प्रदेश में भारी आक्रोश पैदा कर दिया है। रमजान के दौरान आयोजित एक धार्मिक सभा में गौहत्या विरोधी कानून की आलोचना करते हुए मौलाना ने मुख्यमंत्री की मां का नाम लेकर अभद्र टिप्पणी की। इस बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते ही मामला तूल पकड़ गया और प्रदेश के कई जिलों में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। बताया जा रहा है कि बयान को लेकर लोगों ने इसे मातृत्व और सामाजिक मर्यादा का अपमान बताते हुए कड़ी कार्रवाई की मांग की है। बलरामपुर के नगर कोतवाली थाने में बीजेपी जिलाध्यक्ष रवि मिश्रा की शिकायत पर सबसे पहले मुकदमा दर्ज किया गया। इसके बाद प्रदेश के विभिन्न जिलों में छात्रों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और संगठनों ने अलग-अलग थानों में शिकायतें दर्ज कराईं। अब तक 83 से अधिक थानों में मौलाना अब्दुल्लाह सलीम के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज किए जाने की जानकारी सामने आई है। इधर, वाराणसी में हिंदू युवा वाहिनी के कार्यकर्ताओं ने मौलाना के विरोध में प्रदर्शन करते हुए उनका पुतला दहन किया और गिरफ्तारी की मांग उठाई। कुछ स्थानों पर आक्रोशित लोगों ने कठोर दंड की मांग करते हुए नारेबाजी भी की। राजधानी लखनऊ के हजरतगंज चौराहे पर भी प्रदर्शन हुए, जहां बड़ी संख्या में लोग "मां का अपमान बर्दाश्त नहीं" के नारे लगाते दिखाई दिए। धार्मिक संतों और सामाजिक नेताओं ने भी इस बयान की निंदा की है। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा कि किसी भी व्यक्ति की मां का अपमान करना भारतीय संस्कृति के विरुद्ध है और ऐसे बयान सामाजिक सौहार्द को नुकसान पहुंचाते हैं। वहीं प्रशासन ने पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच तेज कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि वायरल वीडियो और शिकायतों के आधार पर कानूनी कार्रवाई की जा रही है। मामले को लेकर प्रदेश में राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर बहस तेज हो गई है, जबकि प्रशासन शांति बनाए रखने की अपील कर रहा है।

आपत्तिजनक बयान पर सियासी और सामाजिक उबाल

कई जिलों में लगातार दर्ज हो रहे मुकदमे

अंतर्राजीय वाहन चोरों को दबोचा, छह बाइक बरामद

चोरी की बाइकों के साथ पकड़े दो चोर पुलिस की गिरफ्त में।

यूनिक समय, गोवर्धन। थाना प्रभारी भगवत सिंह गुर्जर ने बाईपास सकरवा चौराहा पर वाहन चेकिंग के दौरान दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से चोरी की मोटर साइकिल व मास्टर चाबी बरामद की है। पकड़े गये वाहन चोर रवि पुत्र सोहन लाल निवासी खोह डीग राजस्थान व अरबाज पुत्र बसीर निवासी खोह डीग राजस्थान हैं। उनकी निशानदेही पर आधा दर्जन चोरी की मोटर साइकिल एक मास्टर चाबी के साथ देशी के तमंचा व कारतूस बरामद किया।

हाईवे पर ट्रक ने कार को टक्कर मारी कार क्षतिग्रस्त, दो लोगों को आई चोटें

यूनिक समय, मथुरा। थाना कोसीकलां के राष्ट्रीय राजमार्ग 19 पर आज एक कार को ट्रक ने साइड मार दी। दुर्घटना में दो लोग घायल हो गए। पुलिस ने दुर्घटना करने वाले ट्रक को पकड़ लिया है। पुलिस के अनुसार पैगांव निवासी दो लोग आज कार से पैगांव के लिए जा रहे थे। रास्ते में राष्ट्रीय राजमार्ग 19 पर टेक्सी स्टेंड के समीप पीछे से ट्रक ने कार को टक्कर मार दी। दुर्घटना में दोनों लोगों को चोट आई। मौके पर दुर्घटना को देख कर लोगों में सनसनी फैल गई। कुछ ही देर में मौके पर पहुंचे लोगों ने दोनों घायलों को दुर्घटनाग्रस्त कार से निकाल कर अस्पताल पहुंचा दिया। बताया गया पुलिस ने दुर्घटना करने वाले ट्रक को पकड़ लिया है। पुलिस के अनुसार दोनों लोगों को ज्यादा चोट नहीं आई है।

रोजगार मेला 12 मार्च को

यूनिक समय, मथुरा। प्रभारी जिला सेवायोजन अधिकारी ने बताया कि उप्र मिशन रोजगार के अंतर्गत जनपद में एक दिवसीय रोजगार मेला 12 मार्च को सुबह 10 बजे जिला सेवायोजन कार्यालय, मॉडल कैरियर सेन्टर, मथुरा एवं बीएसए (पीजी) कॉलेज मथुरा के संयुक्त तत्वावधान में लगाया जाएगा। उन्होंने बताया कि मेला में 3000 से अधिक रिक्त पदों पर देश 30 से अधिक निजी कम्पनियों के द्वारा साक्षात्कार के माध्यम से अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा। अभ्यर्थियों की आयु सीमा 18 से 35 वर्ष रहेगी। इच्छुक अभ्यर्थी को रोजगार संगम पोर्टल पर अपना निःशुल्क ऑनलाइन पंजीयन कराना आवश्यक है।

नरी सेमरी देवी मेले की तैयारियां प्रशासन ने कसी कमर

नरी सेमरी मेला स्थल की निरीक्षण करते एसडीएम और सीओ।

यूनिक समय, छाता (मथुरा)। ग्राम नरी सेमरी देवी मेला को लेकर मंगलवार को पुलिस प्रशासनिक अमला पूरी तरह सक्रिय नजर आया। मंदिर समिति के पदाधिकारियों के साथ समन्वय बैठक कर दिशा-निर्देश जारी किए। निरीक्षण के दौरान उपजिलाधिकारी वैभव गुप्ता ने स्पष्ट किया कि मेले में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की सुविधा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने मंदिर परिसर और मेला प्रांगण का भ्रमण करते हुए पेयजल आपूर्ति, सुचारू विद्युत व्यवस्था और स्वच्छता अभियान को लेकर निर्देश दिए। एसडीएम ने जोर देते हुए कहा कि श्रद्धालुओं को वाहन पार्किंग में किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए पर्याप्त स्थान चिन्हित किए जाएं। उन्होंने मंदिर कमेटी के सदस्यों से सीधा संवाद कर उनके सुझाव मांगे। उन्होंने नगर पंचायत और संबंधित विभागों को पूरे परिसर में व्यापक साफ-सफाई सुनिश्चित करने की हिदायत दी। सुरक्षा व्यवस्था की कमान संभालते हुए क्षेत्राधिकारी भूषण वर्मा ने सुरक्षा खाका प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि मेले की संवेदनशीलता को देखते हुए पूरे परिसर को अभेद्य किले में तब्दील किया जाएगा। सुरक्षा की दृष्टि से चप्पे-चप्पे पर सीसीटीवी कैमरों का जाल बिछाया जाएगा, जिसकी निगरानी एक समर्पित कंट्रोल रूम से की जाएगी। सीओ ने कहा, "मेले में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को नियंत्रित करने और असामाजिक तत्वों पर नकेल कसने के लिए भारी पुलिस बल के साथ सादा कपड़ों में भी सुरक्षाकर्मी तैनात रहेंगे। उन्होंने मंदिर कमेटी को भी निजी वालंटियर्स की संख्या बढ़ाने और पुलिस के साथ समन्वय स्थापित करने की सलाह दी। इस अवसर पर पूर्व प्रधान अभय पाल, किशन नेता, कुमर सिंह, विक्रम सिंह, अशोक ठेकेदार और जिला पंचायत के ठेकेदार हरेंद्र मलिक आदि उपस्थित थे।

सुरक्षा और सुविधाओं का लिया जायजा

राष्ट्रपति के आगमन से पूर्व नगर आयुक्त ने किया निरीक्षण

यूनिक समय, मथुरा। राष्ट्रपति के प्रस्तावित आगमन के मद्देनजर नगर आयुक्त जग प्रवेश ने वृंदावन क्षेत्र में निर्धारित भ्रमण स्थलों और पूरे मार्ग का गहन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था, मार्गों की स्थिति, सौंदर्यीकरण तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि राष्ट्रपति के आगमन से पहले सभी व्यवस्थाएं पूरी तरह दुरुस्त कर ली जाएं, ताकि आगंतुकों और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इस दौरान अपर नगर आयुक्त चंद्र प्रकाश पाठक, सहायक अभियंता निर्माण के. सोमेश सिंह, अवर अभियंता अरुण कुमार, जोनल सेनेटरी अधिकारी महेश चंद्र तथा क्षेत्रीय सफाई निरीक्षक सहित नगर निगम के अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे और आवश्यक तैयारियों की जानकारी दी।

वृंदावन का निरीक्षण करते नगर आयुक्त जगप्रवेश।

सुविचार

लोग सलाह बहुत देंगे, लेकिन रास्ता खुद ही बनाना।

कल का पंचांग

तिथि	अष्टमी	01:54-04:19 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष	
नक्षत्र	ज्येष्ठा	07:05-10:00 तक	माह	चैत्र	
सूर्योदय		06:43 AM	चन्द्रोदय	12:51 AM	
सूर्यास्त		06:30 PM	चंद्रास्त	12:19 PM	
सूर्य राशि		कुंभ राशि	चंद्र	वृश्चिक राशि	
शुभ मुहूर्त			ब्रहम् मुहूर्त	05:018-06:05	
त्योहार/व्रत		शीतला अष्टमी	विक्रम संवत्	2082	
राहुकाल		12:36PM:02:05PM	वार	बुधवार	

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

राहु दोष के कारण आपकी जिंदगी में हो रही परेशानियों को समझें

यूनिक समय, मथुरा। ज्योतिष शास्त्र में राहु को छाया ग्रह कहा गया है। राहु जब शुभ स्थिति में होता है तो व्यक्ति की किस्मत चमका देता है, लेकिन जब राहु खराब होता है तो यह जीवन में अनेक समस्याओं की शुरुआत कर देता है। खराब राहु व्यक्ति को भ्रमित, असमंजस और असहाय बना देता है। **सबसे पहला संकेत है**- अनजाना डर और आत्मविश्वास की कमी। व्यक्ति लोगों के बीच जाने से डरता है और हमेशा खतरे का आभास महसूस करता है। **दूसरा बड़ा लक्षण है**- हिंसक प्रवृत्ति और आत्महत्या के विचार। राहु का प्रभाव मानसिक अस्थिरता को जन्म देता है, जिससे व्यक्ति स्वयं और दूसरों के लिए खतरा बन जाता है।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

तीसरा संकेत है- निर्णय क्षमता का खो जाना। व्यक्ति सही और गलत का अंतर नहीं समझ पाता, हमेशा भ्रमित रहता है और किसी काम में सफलता नहीं मिलती। **चौथा लक्षण है**- अनैतिक गतिविधियों में बढ़ता झुकाव। खराब राहु वाले लोग जुआ, सट्टा, शराब या व्यभिचार जैसी गतिविधियों में शामिल हो जाते हैं। **पाँचवां लक्षण है**- अत्यधिक महत्वाकांक्षा लेकिन गलत दिशा में। व्यक्ति गैरकानूनी और अनैतिक कार्यों में लग जाता है, जिससे जेल जाने की संभावना भी बनती है। **छठा संकेत है** - झूठ बोलना और गाली-गलौज करना। राहु दोष वाले लोग अक्सर अपनी बातों में ईमानदारी नहीं रखते और दूसरों के साथ कड़वी भाषा का इस्तेमाल करते हैं। **सातवां लक्षण है** - स्वास्थ्य संबंधी परेशानियाँ। अनिद्रा, डरावने सपने, पेट और तंत्रिका तंत्र से जुड़ी समस्याएँ राहु के खराब होने पर प्रकट होती हैं। **आठवां लक्षण है**- आर्थिक हानि। गलत निवेश और खर्च के फैसले व्यक्ति की संपत्ति को खतरे में डालते हैं। **नौवां लक्षण है**- परिवार में क्लेश। गृहस्थ जीवन में विवाद और रिश्तों में असहमति बढ़ती है। **अंतिम दसवां संकेत है** - स्वच्छता की कमी। राहु दोष वाले लोग सफाई का ध्यान नहीं रखते, घर और खुद की देखभाल में लापरवाही करते हैं।

संक्षेप में कहें तो राहु की खराब स्थिति जीवन के हर क्षेत्र में असंतुलन पैदा करती है।

यदि आप इन लक्षणों को पहचान लें और समय रहते उपाय करें, तो राहु के नकारात्मक प्रभाव को कम किया जा सकता है।

राहु दोष से बचने के अचूक उपाय

यूनिक समय, मथुरा। राहु दोष जीवन में अनिश्चितता और संकट ला सकता है, लेकिन इसे शांत करना संभव है। सबसे प्रभावी उपाय है काले कुत्ते को शनिवार के दिन रोटी या बिस्किट खिलाना, जिससे राहु के नकारात्मक प्रभाव कम होते हैं। इसके साथ भगवान शिव या भैरव बाबा की पूजा और 'ॐ नमः शिवाय' मंत्र का जाप लाभकारी रहता है। प्रतिदिन राहु बीज मंत्र "ॐ रां राहवे नमः" या "ॐ भ्रां भ्रीं भ्रौं सः राहवे नमः" का 108 बार जाप करना भी शुभ होता है। दान और सेवा महत्वपूर्ण हैं, गरीबों, जरूरतमंदों या पक्षियों को काले तिल, बाजरा, साबुत उड़द या कंबल देना राहु को शांत करता है। सात्विक भोजन करें, नशे से बचें और झूठ से दूर रहें। ये उपाय अपनाकर राहु दोष का नकारात्मक प्रभाव कम किया जा सकता है और जीवन में स्थिरता और सफलता लाई जा सकती है।

व्रत–त्योहार का कैलेंडर 2026

- 15 मार्च, दिन रविवार: पापमोचनी एकादशी
- 16 मार्च, दिन सोमवार: सोम प्रदोष व्रत
- 17 मार्च, दिन मंगलवार: चैत्र मासिक शिवरात्रि
- 19 मार्च, दिन बृहस्पतिवार: चैत्र अमावस्या, चैत्र नवरात्रि प्रारंभ
- 22 मार्च, दिन रविवार: वासुदेव चतुर्थी
- 26 मार्च, दिन गुरुवार: राम नवमी
- 29 मार्च, दिन रविवार: कामदा एकादशी
- 30 मार्च, दिन सोमवार: सोम प्रदोष व्रत

कल का राशिफल

ग्रहों की चाल आपके जीवन में कई नई संभावनाएं और चुनौतियां ला रही है।

मेष राशि वाले कल अपने आठवें भाव में चंद्रमा के प्रभाव से गुप्त धन और पुराने निवेशों की समीक्षा में रुचि रखेंगे। ऑफिस में तकनीकी बाधाएं आ सकती हैं, लेकिन आपकी सूझबूझ उन्हें आसानी से हल कर देगी। क्रोध पर नियंत्रण रखें और पार्टनर के साथ मतभेद न बढ़ाएं। निवेश में जल्दबाजी न करें, धैर्य रखें।

वृषभ वालों के लिए वैवाहिक जीवन और व्यापारिक साझेदारियों में मजबूती आएगी। वरिष्ठ अधिकारियों के व्यवहार में अस्थिरता हो सकती है, इसलिए प्रतिक्रिया देने में जल्दबाजी न करें। प्रेम संबंधों में ईमानदारी और पारदर्शिता बनाए रखें।

मिथुन राशि वाले कल अनुशासन और मेहनत के जरिए कार्यस्थल पर उत्कृष्टता हासिल करेंगे। स्वास्थ्य पर ध्यान दें, पुराने रोग या पेट से जुड़ी समस्याओं में लापरवाही न करें। उधारी के लेन-देन से बचें।

कर्क राशि वालों की रचनात्मक ऊर्जा उच्च रहेगी। संतान के करियर या स्वास्थ्य में सुखद समाचार मिल सकते हैं। पुराने रुके प्रोजेक्ट्स को फिर से शुरू करना लाभकारी रहेगा। प्रेम संबंधों में पुरानी यादें मधुरता लाएंगी।

सिंह राशि वालों का ध्यान घरेलू सुख-सुविधाओं और प्रॉपर्टी के मामलों पर रहेगा। ऑफिस में टीम के साथ तालमेल बनाए रखना जरूरी है।

कन्या राशि को ऊर्जावान दिन मिलेगा। छोटी यात्राएं लाभदायक होंगी और आर्थिक निर्णय सही रहेंगे। भाई-बहनों से बातचीत में शब्दों का चुनाव सोच-समझकर करें।

तुला राशि वालों का ध्यान वित्तीय मामलों पर रहेगा। पुराने निवेश की समीक्षा करें, लेकिन नए निवेश में विशेषज्ञ की सलाह लेना आवश्यक है। भावुक होकर उधार न दें।

वृश्चिक राशि वालों की निर्णय क्षमता तीव्र रहेगी। परिवार में मतभेद शांतिपूर्वक सुलझाएं। स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दें।

धनु राशि वाले मानसिक शांति और आध्यात्मिक चिंतन के लिए एकांत पसंद करेंगे। फिजूल खर्च और अनावश्यक यात्राओं से बचें।

मकर राशि वालों की सामाजिक सक्रियता बढ़ेगी। अचानक आर्थिक लाभ के अवसर मिल सकते हैं। स्वास्थ्य में सावधानी रखें।

कुंभ राशि वालों के लिए करियर में तरक्की और नई जिम्मेदारियों के योग हैं। बड़े निवेश या निर्णय सोच-समझकर लें।

मीन राशि वालों को भाग्य का साथ मिलेगा। धार्मिक या दार्शनिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। लव लाइफ में पार्टनर के साथ धार्मिक यात्रा की योजना बन सकती है।

ईशान कोण में बना टॉयलेट बन सकता है बर्बादी का कारण

यूनिक समय, मथुरा। वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर का ईशान कोण (पूर्वोत्तर दिशा) सबसे पवित्र और ऊर्जावान स्थान माना जाता है। इसे भगवान शिव का स्थान और जल तत्व का प्रतिनिधि माना गया है। लेकिन यदि इस दिशा में टॉयलेट बना दिया जाए, तो यह घर की समस्त सकारात्मक ऊर्जा को नष्ट कर सकता है।

ईशान कोण में टॉयलेट होने से परिवार में मानसिक तनाव, आर्थिक तंगी, वैवाहिक तनाव, बच्चों की पढ़ाई में बाधा और गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। यह दोष तुरंत असर नहीं करता, लेकिन समय के साथ पूरे परिवार की प्रगति को रोक सकता है। बचाव के उपायः यदि संभव हो, तो ईशान कोण से टॉयलेट हटवाएं। हटाना संभव न हो, तो टॉयलेट के अंदर पूर्वोत्तर कोने में शीशे की कटोरी में समुद्री नमक रखें और हर 15 दिन में बदलें।

टॉयलेट के लिए शुभ दिशाः टॉयलेट को दक्षिण-पश्चिम या पश्चिम दिशा में बनाना उचित होता है, क्योंकि ये विसर्जन की दिशाएं मानी जाती हैं।

सही रंगों का प्रयोग करेंः हल्के रंग जैसे ऑफ-व्हाइट, बेज, हल्का नीला या हरा रंग टॉयलेट के लिए उपयुक्त होते हैं। गहरे रंगों से बचें।

वास्तु दोष नजरअंदाज न करें, यह धीमे ज़हर की तरह पूरे घर को प्रभावित कर सकता है।

आचार्य चाणक्य से सीखें मैनिपुलेशन से बचने के आसान तरीके

यूनिक समय, मथुरा। आज के आधुनिक समय में मैनिपुलेशन का खेल बेहद सूक्ष्म और खतरनाक हो गया है। अक्सर लोग यह महसूस भी नहीं करते कि वे किसी के प्रभाव में आ गए हैं। आचार्य चाणक्य ने सदियों पहले ही यह समझ लिया था कि सबसे खतरनाक मैनिपुलेशन दुश्मनों से नहीं, बल्कि उन लोगों से आता है जो आपकी कमजोरियों को भलीभांति समझते हैं।

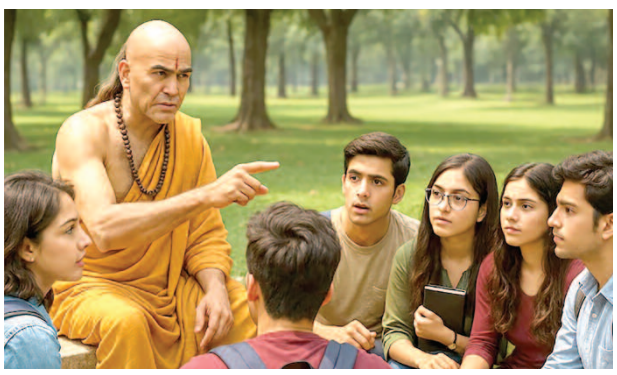

पहला तरीका है- "अत्यधिक चिंता से भ्रमित न हो।" जब कोई आपकी जरूरत से ज्यादा चिंता करता है, बार-बार सलाह देता है या आपके फैसलों पर सवाल उठाता है, तो शुरू में यह मदद लगता है। लेकिन धीरे-धीरे आपकी सोचने की शक्ति खत्म हो जाती है और आप खुद निर्णय लेने से डरने लगते हैं।

दूसरा तरीका है- "चापलूसी में फंसने से बचो।" मैनिपुलेटर आपकी तारीफ इस तरह करते हैं कि आपकी अहमियत उनके अनुमोदन से जुड़ जाती है। आप तालमेल के लिए अपनी राय और स्वतंत्रता छोड़ने लगते हैं। चाणक्य कहते थे, अहंकार का यह खेल बेहद असरदार होता है।

तीसरा तरीका- "सवाल पूछने पर दोषी महसूस मत करो।" मैनिपुलेटर सवाल पूछने पर ही आपको गलत ठहरा देते हैं। अपराधबोध और अनग्रेटफुल महसूस कराना उनकी रणनीति का हिस्सा है। धीरे-धीरे आप विरोध करना छोड़ देते हैं और उनकी बनाई छवि की रक्षा करने लगते हैं।

चौथा तरीका है- "अंधी परंपरा का बहाना न मानो।" जब कोई आपके तर्क को परंपरा या संस्कृति के नाम पर रोकता है, तो समझिए यह आपके ज्ञान पर हमला है। मूल्य आपकी सोच को दिशा दें, दूसरों को उसे नियंत्रित करने का मौका न दें।

पाँचवां तरीका- "अधूरी जानकारी पर निर्णय न लें।" मैनिपुलेटर हमेशा चयनित जानकारी साझा करते हैं। आप सोचते हैं कि आपने स्वतंत्र निर्णय लिया, लेकिन विकल्प पहले ही सीमित कर दिए गए थे।

छठा और सबसे खतरनाक तरीका- "दूसरों के विचार अपने मत मत बना लो।" लगातार दोहराई गई शंकाएं और डर धीरे-धीरे आपके सोच को प्रभावित कर देते हैं। एक दिन आप पाते हैं कि आप दूसरों के विचार का बचाव कर रहे हैं, जबकि यह कभी आपका नहीं था। चाणक्य की यह नीतियां केवल प्राचीन समय के लिए नहीं, बल्कि आज के डिजिटल और सामाजिक दबाव के युग में भी उतनी ही प्रासंगिक हैं। यदि आप इन 6 तरीकों को समझकर सचेत रहें, तो मैनिपुलेटर आपके दिमाग पर कब्जा नहीं कर पाएंगे। सत्य यह है कि विचार दबाव से नहीं बल्कि दोहराव से जीते जाते हैं। अपनी सोच की स्वतंत्रता बनाए रखना और अपने फैसलों पर भरोसा रखना ही असली ताकत है।

सम्पादकीय

सुरक्षा बलों ने दिखाया पर्यावरण संरक्षण का रास्ता

आजकल विकास का मतलब है कंक्रीट के जंगलों का विस्तार और हरियाली का गायब होना। हर साल अरबों पेड़ काटे जाते हैं, और ग्लोबल वार्मिंग धीरे–धीरे हमें पका रही है। लेकिन इस "विकास" के अंधेरे में भी एक चमकती रोशनी है - हमारे केंद्रीय सुरक्षा बल। जी हाँ, वही लोग जो सीमा पर दिन–रात खड़े रहते हैं, अब पेड़ लगाने के मोर्चे पर भी उतरे हैं।

पवन गौतम
संपादक

पांच साल में ग्यारह लाख से ज्यादा जवानों ने सात करोड़ पौधे लगाए। और ये सिर्फ दिखावे के पौधे नहीं हैं - ज्यादातर सौ साल तक टिकने वाले। मतलब, भविष्य में बच्चों को ऑक्सीजन का भरोसा भी इन जवानों के नाम पर करना होगा। सोचिए, एक तरफ दुश्मन से लड़ाई, दूसरी तरफ प्रकृति की रक्षा- सुरक्षा और पर्यावरण, दोनों में सुपरहीरो।

और मज़ेदार बात यह कि उन्होंने यह काम सरकारी दबाव या आदेश से नहीं किया। नहीं! उन्होंने इसे अपनी जिम्मेदारी समझा। यानी, देश की सुरक्षा के साथ–साथ पर्यावरण की रक्षा भी उनके काम का हिस्सा बन गई। अगर यही अनुशासन और समर्पण आम नागरिक में होता, तो शायद हम अब तक पूरे भारत में जंगलों का निर्माण कर चुके होते। सच कहें तो यह व्यंग्य भी है, वही सुरक्षा बल जो रॉकेट, बम और मिसाइल से देश की रक्षा करता है, अब हरियाली की रक्षा में भी उतरा है। हमारी सरकारी नीतियों ने हर साल पेड़ काटने का काम तेजी से किया, और जवानों ने उन्हें लगाने की जिम्मेदारी अपने कंधों पर ले ली। ये जवान साबित कर रहे हैं कि अगर ईमानदारी और लगन हो तो एक ही समय में दुश्मन से भी निपटा जा सकता है और पर्यावरण संकट को भी रोका जा सकता है। आज जब कोई आम नागरिक सोच रहा है कि पर्यावरण की रक्षा सिर्फ सरकार का काम है, तब सुरक्षा बलों का यह कदम एक मजेदार व्यंग्य के साथ प्रेरणा भी है। साफ संदेश यह है - प्रकृति की रक्षा सामूहिक जिम्मेदारी है, और यदि अनुशासित लोग इसे अपनाएं तो बड़ा फर्क पड़ सकता है। तो अगली बार जब कोई कहे कि पर्यावरण बचाना मुश्किल है, तो उसे बता दें - "जवान कर सकते हैं, आप क्यों नहीं?" आखिर, सात करोड़ पौधे और लाखों जवानों का उदाहरण सामने है। और हाँ, अगर सुरक्षा बल पेड़ लगा सकते हैं, तो हम भी अपना छत और गली का पेड़ क्यों नहीं बचा सकते? सचमुच, सुरक्षा और हरियाली दोनों में सुपरहीरो वही हैं।

इस कॉलम को मोबाइल पर सुनने के लिए QR कोड को स्कैन करें।

नजरिया

सुपरपावर रूस, चीन की चालाकी में फंसा

अभिनय आकाश

अगर आप सोच रहे हैं कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति में "दोस्ती" और "विश्वास" अभी भी माने जाते हैं, तो रूस और चीन की नई कहानी आपको झकझोर कर सोचने पर मजबूर कर देगी। जैसा कि हम जानते हैं, रूस और चीन हमेशा से बड़े भाई–छोटे भाई जैसी छवि दिखाते रहे हैं, मगर पर्दे के पीछे यही दोनों देशों के बीच चुपचाप चल रही जंग का रंग अब धीरे–धीरे उजागर हो रहा है। भारत कई बार रूस को चेतावनी दे चुका था, मगर लगता है रूस खुद अपनी ही भूल का शिकार बन गया। चीन ने, जिसे अक्सर सिर्फ आर्थिक महाशक्ति माना जाता है, इस बार सैन्य और भू–राजनीतिक चतुराई के साथ रूस के सामने ऐसा खेल खेला कि किसी को उम्मीद भी नहीं थी। रूस, जो यूक्रेन में अपनी ताकत और रणनीति दिखा रहा था, वही रूस अब चीन के जाल में फंसा हुआ है। और हाँ, यह जाल इतना सूक्ष्म और चालाक था कि रूस खुद भी समझ नहीं पाया कि कब और कैसे यह फंस गया।

सबसे पहले बात करते हैं पूर्वी सीमा की। व्लादिवोस्तोक और अमूर ओब्लास्ट जैसे इलाके, जो रूस की आंखों का तारा हैं, चीन ने अपने नक्शों में शामिल कर लिए और दावा किया कि यह इलाके 150 साल पहले उनके थे। सोचिए, वही देश जिसे रूस ने हमेशा मित्र माना, आज उन क्षेत्रों को अपना बता रहा है। 2023 में जब रूस यूक्रेन में जूझ रहा था, चीन ने चुपचाप अपने पर्यावरण मंत्रालय के नक्शे जारी कर दिए, जिनमें व्लादीवोस्तोक को चीनी नाम के साथ दिखाया गया। रूस के लिए यह केवल एक भू–राजनीतिक झटका नहीं, बल्कि उसकी "विश्वसनीय मित्रता" की बड़ी धज्जियाँ उड़ाने वाला कदम था।

और व्लादीवोस्तोक केवल प्रतीकात्मक नहीं है। यह शहर भारत के लिए भी अहम है। यह वह जगह है, जहां से व्लादीक–चेन्नई कॉरिडोर जाता है। आने वाले महीनों में रूस इसी कॉरिडोर के जरिए भारत को तेल और अन्य सामग्री भेजने वाला था। मगर चीन ने पहले ही दावा कर दिया। यानी, भारत के सपनों में भी चीन ने अपनी छुरी घोंप दी। रूस, जो कभी भारत के निवेश और साझेदारी को बढ़ावा दे रहा था, अब अपनी ही जमीन के सवाल पर डरा हुआ है। चलिए, अब दक्षिणी सीमा की बात करें। सेंट्रल एशियाई देश-कजाकिस्तान, किरगिस्तान, ताजाकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और उजूबेकिस्तान कभी रूस के पक्के दोस्त थे। मगर चीन ने यहां भी खेल बदल दिया। रूस के वीटो पावर और राजनीतिक दबदबे को नजरअंदाज करते हुए, चीन ने आर्थिक और तकनीकी नेटवर्क पर नियंत्रण करना शुरू कर दिया। लॉजिस्टिक, ऊर्जा सप्लाई, फाइनेंस, डिजिटल गवर्नेंस, यह सब अब चीन के हाथ में है। रूस, जो इन सबको जानता था, अपने आर्थिक निर्भरता के कारण कुछ कर नहीं पा रहा। सोचिए, वही देश जो कभी सुपरपावर बनने का सपना देखता था, आज आर्थिक और भू–राजनीतिक चतुराई में चीन के हाथों फंस गया। रूस की सुरक्षा एजेंसी एफएसबी तक को दस्तावेज तैयार करना पड़ा, जिसमें खुलासा हुआ कि चीन रूस के भीतर कितनी गहराई तक घुस चुका है। आठ पन्नों के इस दस्तावेज में चीन को दुश्मन तक कहा गया। और यह वही रूस है, जो विश्व मंच पर हमेशा अपनी ताकत दिखाने वाला रहा है।

भारत के नजरिए से यह घटनाक्रम अत्यंत महत्वपूर्ण है। रूस और भारत के बीच की दोस्ती और रणनीतिक साझेदारी अब नए मोड़ पर है। व्लादीवोस्तोक और चेन्नई कॉरिडोर जैसी परियोजनाएँ, जो भारत के आर्थिक और रणनीतिक हित में थीं, अब चीन के भू–राजनीतिक दावों की वजह से प्रभावित हो सकती हैं। इसका मतलब साफ है, भारत को अपने हितों की सुरक्षा के लिए और अधिक सतर्क रहना होगा।

व्यंग्य की भाषा में कहें तो रूस अब वही कर रहा है, जो अक्सर दूसरों के साथ करता आया है, बार–बार गले मिलना और पीछे से वार करना। अब रूस खुद उसी चक्र में फंसा हुआ है। चीन ने सिर्फ नक्शों और दावों से नहीं, बल्कि सेंट्रल एशिया में अपने आर्थिक और तकनीकी प्रभुत्व से रूस को घेर लिया।

और हाँ, यह खेल केवल राजनीतिक नहीं है। यह आर्थिक और तकनीकी युद्ध भी है। चीन ने यह सुनिश्चित कर दिया है कि रूस जितना भी जानता है, वह आर्थिक निर्भरता के कारण कुछ भी कर न सके। यही खेल चीन की मास्टरी दिखाता है, बिना बड़े बमबारी के, बिना शोर शराबे के, उसने रूस की नींव हिला दी।

रूस के लिए यह सब एक चेतावनी है, मित्रता और साझेदारी केवल पर्दे तक सीमित हैं। और दुनिया के बाकी देशों के लिए भी यह उदाहरण है कि चीन की रणनीति केवल पैसा और शक्ति में ही नहीं, बल्कि चुपचाप और सूक्ष्म तरीके से मित्र राष्ट्रों की पकड़ ढीली करने में भी है।

अंत में यह कहना गलत नहीं होगा कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति अब केवल युद्ध और मिसाइल तक सीमित नहीं है। यह आर्थिक, डिजिटल और भू–राजनीतिक जाल बुनने का खेल भी है। चीन ने यह खेल मास्टरक्लास की तरह खेला, और रूस की "सुपरपावर" छवि को झकझोर दिया।

रूस अगर समय रहते ही चीन से दूरी नहीं बनाएगा, तो आने वाले वर्षों में उसके लिए बहुत कठिन हालात बन सकते हैं। और भारत, जो हमेशा रूस और चीन दोनों के बीच संतुलन बनाए रखने की कोशिश करता रहा है, उसे भी अब सतर्क रहने की जरूरत है। क्योंकि यह केवल रूस की समस्या नहीं, बल्कि पूरे एशिया की भू–राजनीति की बड़ी पहेली है।

तो हाँ, ईरान, इजराइल और यूक्रेन की खबरों के बीच, चीन ने रूस पर ऐसा हमला किया कि "जंग" की परिभाषा ही बदल गई। रूस अब केवल अपनी सीमा ही नहीं, अपनी विश्वसनीय मित्रता और आर्थिक स्वतंत्रता के लिए भी लड़ रहा है। और दुनिया, चुपचाप इस खेल को देख रही है, कभी चौंक कर, कभी व्यंग्य में हंसते हुए। रूस और चीन की यह कहानी दिखाती है कि आधुनिक जंग अब मिसाइल और बम तक सीमित नहीं रही। यह सूक्ष्म रणनीति, आर्थिक नियंत्रण और भू–राजनीतिक दावों का खेल है। और सबसे बड़ा सबक? हमेशा अपने मित्र की चालाकी को नजरअंदाज मत करना।

विचार विण्डो

दोहरी त्रासदी में ईरान, अब देश में संकट गहराया

राम कुमार अग्रवाल

मध्य–पूर्व में अस्थिरता कोई नई बात नहीं है, लेकिन हाल के घटनाक्रम ने ईरान को न केवल जूझते हुए बल्कि दोहरी त्रासदी के बीच गंभीर संकट में फंसा हुआ दिखा दिया है। 7 अक्टूबर 2023 के हमास हमले ने पूरे क्षेत्र की भू–राजनीति को झकझोर दिया, लेकिन अब ईरान खुद अपने बनाए हुए जाल में फंसता नजर आ रहा है। इजराइल और अमेरिका के हालिया हमलों ने यह साबित कर दिया कि खामेनेई और उनके रिवोल्यूशनरी गार्ड की सुरक्षा ढाल कमजोर पड़ चुकी है।

ईरानी सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई और 40 से अधिक वरिष्ठ कमांडरों की हत्या केवल एक आघात नहीं, बल्कि शासन की वैचारिक और रणनीतिक क्षमताओं की परीक्षा है। यह सवाल उठता है कि क्या ईरान ने अपनी वैचारिक नीतियों और रणनीतिक भूलों के कारण खुद को इस मोड़ तक पहुंचा दिया है? इतिहास का छोटा लेकिन महत्वपूर्ण पृष्ठ हमें इसके उत्तर की ओर इशारा करता है।

1950 के दशक में ईरान ने इजराइल को मान्यता दी थी और दोनों देशों के बीच तेल, सैन्य और खुफिया सहयोग मजबूत था। शाह मोहम्मद रजा पहलवी के समय, ईरान और इज़राइल के साझा हित क्षेत्रीय शांति और पैन–अरबवाद तथा सोवियत साम्यवाद से बचाव पर आधारित थे। मगर 1979 की इस्लामी क्रांति ने पूरी तस्वीर बदल दी। शिया धर्मगुरुओं ने शाह के खिलाफ चल रहे आंदोलन को अपने नियंत्रण में ले लिया और शासन की नई दिशा तय कर दी। खामेनेई ने पश्चिमी देशों को भ्रष्टाचार और इस्लाम के दुश्मन के रूप में पेश किया। 2017 में लगे 'डूम्सडे क्लॉक' ने इस संदेश को चरम पर पहुंचा दिया, 2040 तक इज़राइल का विनाश, उलटी गिनती के साथ। व्यंग्यात्मक रूप से कहें, तो यह किसी हॉलीवुड थ्रिलर की तरह डरावनी प्रतीत होती है, लेकिन वास्तविक दुनिया में इसकी गूँज ईरान के लिए बहुत गंभीर साबित हुई।

ईरान ने अपने सैन्य और तकनीकी साधनों, बैलिस्टिक मिसाइल, ड्रोन और परमाणु कार्यक्रम झ्र को मजबूत किया, लेकिन उसने मित्र राष्ट्रों की कूटनीतिक नींव पर ध्यान नहीं दिया। चीन और रूस ने कुछ समर्थन दिया, लेकिन यह ज्यादातर औपचारिक या कूटनीतिक ही रहा। निकटवर्ती अरब देश और तुर्की जैसी शक्तियाँ उदासीन रही, क्योंकि ईरान ने सुन्नी बहुल देशों के साथ स्थायी गठबंधन बनाने में विफलता दिखाई। 1979 के बाद शिया इस्लाम के प्रसार को अपना मिशन बनाना, हिज्बुल्लाह और हूती

जैसे प्रॉक्सी संगठनों का निर्माण, और गाजा में हमास को समर्थन देना, यह सभी रणनीतियाँ क्षेत्रीय असंतुलन को बढ़ाती दिखी। ईरान ने अपनी सैन्य पकड़ बढ़ाई, लेकिन कूटनीतिक साझेदारी और भरोसे को नजरअंदाज किया। इसका परिणाम यह हुआ कि आज ईरान के कई सहयोगी कमजोर हो चुके हैं और उसे अंदरूनी असंतोष का सामना करना पड़ रहा है।

आर्थिक प्रतिबंध, युवाओं का असंतोष, महिलाओं के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन, और नई पीढ़ी का मोहभंग, ये सभी ईरान की मूल वैचारिक नींव को कमजोर कर रहे हैं। सर्वोच्च नेता की हत्या ने इस अस्थिरता को और बढ़ा दिया है। यदि ईरान जल्दबाजी में आक्रामक कदम उठाता है, तो न केवल देश में अस्थिरता बढ़ सकती है, बल्कि पूरे क्षेत्र में व्यापक संघर्ष भड़कने की संभावना है।

व्यंग्यात्मक नजरिए से देखें, तो ईरान का रणनीतिक खेल ऐसा है जैसे कोई शतरंज का खिलाड़ी केवल अपनी प्यादियों को आगे बढ़ा रहा हो, जबकि विरोधी उसकी रानी को सीधे मात दे रहा हो। पहले अपने सुरक्षा और वैचारिक मिशन में जुटे, लेकिन मित्रता और कूटनीतिक संतुलन को नजरअंदाज करने के कारण आज ईरान खुद संकट में फंसा है।

ईरान की त्रासदी यह भी दिखाती है कि केवल शक्ति और हथियार किसी देश की सुरक्षा की गारंटी नहीं होते। रणनीति में संतुलन, वैचारिक लचीलापन और स्थायी अंतरराष्ट्रीय मित्रता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। यदि ईरान ने अपने पुराने सहयोगियों और पड़ोसी देशों के साथ विश्वास और साझेदारी पर ध्यान दिया होता, तो आज वह इतनी कठिन परिस्थिति में नहीं होता।

ईरान की वर्तमान स्थिति न केवल क्षेत्रीय सुरक्षा, बल्कि वैश्विक भू–राजनीति के लिए भी चेतावनी है। यह उदाहरण दिखाता है कि कट्टर वैचारिक दृष्टिकोण और असंतुलित रणनीति लंबे समय में देश को संकट में डाल सकती है। मध्य–पूर्व में स्थिरता केवल सैन्य शक्ति से नहीं, बल्कि कूटनीतिक बुद्धिमत्ता, रणनीतिक संतुलन और वैचारिक लचीलापन से भी जुड़ी है।

संक्षेप में कहें, तो ईरान की यह कहानी आधुनिक भू–राजनीति में दोहरी त्रासदी का प्रतीक है, बाहरी हमले और आंतरिक अस्थिरता। एक ओर अमेरिका और इजराइल का दबाव, दूसरी ओर युवा पीढ़ी, आर्थिक प्रतिबंध और वैचारिक मतभेद, ये सभी ईरान की राह कठिन बना रहे हैं। यदि ईरान ने समय रहते रणनीति में बदलाव नहीं किया, तो यह न केवल अपने लिए बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए गंभीर खतरा बन सकता है।

व्यंग्य में कहें तो, ईरान ने खुद अपनी खाई खोदी और अब उसमें गिर गया है। अब देखना यह है कि क्या तेहरान इस गहरे संकट से उभरने की क्षमता रखता है, या इतिहास की पंक्तियाँ उसे केवल एक चेतावनी बनाकर याद रखेंगी।

आईपीएल 2026 से पहले गुजरात टाइटन्स को बड़ी मजबूती

हेडन बने नये बैटिंग कोच

यूनिक समय, नई दिल्ली। आईपीएल 2026 सीजन से पहले गुजरात टाइटन्स ने अपने कोचिंग स्टाफ में बड़ा बदलाव किया है। फ्रेंचाइजी ने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज मैथ्यू हेडन को टीम का नया बैटिंग कोच नियुक्त किया। टीम ने इस नियुक्ति की जानकारी मंगलवार को आधिकारिक प्रेस रिलीज के माध्यम से दी। मैथ्यू हेडन जैसे अनुभवी खिलाड़ी के जुड़ने से टीम के बल्लेबाजी विभाग को नई मजबूती मिलने की उम्मीद है। हेडन अपने समय के सबसे आक्रामक ओपनिंग बल्लेबाजों में शामिल रहे हैं

और उनके पास इंटरनेशनल क्रिकेट के साथ–साथ आधुनिक टी 20 बल्लेबाजी का गहरा अनुभव है।

गुजरात टाइटन्स के क्रिकेट डायरेक्टर विक्रम सोलंकी ने कहा कि हेडन का अनुभव टीम के लिए अहम साबित होगा। उन्होंने बताया कि टीम लगातार अपने क्रिकेटिंग इकोसिस्टम को मजबूत कर रही है और हेडन युवा खिलाड़ियों को नई दिशा देने में मदद करेंगे। मैथ्यू हेडन ने अपनी नई भूमिका के बारे में कहा, "मजबूत बल्लेबाजी किसी भी टीम को मैच में बढ़त दिला सकती है। अच्छी बल्लेबाजी दबाव बनाती है और मैच पर कब्जा दिलाती है। यही मानक हम गुजरात टाइटन्स में स्थापित करना चाहते हैं।"

हेडन का अंतरराष्ट्रीय करियर बेहद शानदार रहा है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए 272 मैचों में 15,064 रन बनाए, जिसमें 40 शतक और 69 अर्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वोच्च स्कोर 380 रन रहा। 2007 के टी 20 वर्ल्ड कप में भी उन्होंने छह पारियों में 265 रन बनाकर सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड बनाया। आईपीएल में हेडन ने 32 मैचों में 1,107 रन बनाए और आठ अर्धशतक जड़े। गुजरात टाइटन्स को उम्मीद है कि हेडन के मार्गदर्शन से टीम की बल्लेबाजी और भी मजबूत होगी और आईपीएल 2026 में बेहतर प्रदर्शन करेगी।

अंजुम खान: ग्लैमर की दुनिया से शिवम दुबे की पत्नी बनी साइलेंट सपोर्टर

यूनिक समय, नई दिल्ली। क्रिकेटर शिवम दुबे की पत्नी अंजुम खान हमेशा सुर्खियों में रहती हैं। जहां शिवम मैदान पर अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी और शानदार गेंदबाजी से फैंस को मंत्रमुग्ध करते हैं, वहीं अंजुम ने मनोरंजन जगत में अपनी अलग पहचान बनाई है। वे पेशेवर मॉडल, अभिनेत्री और वॉइस–ओवर आर्टिस्ट हैं, जो अभिनय और आवाज के जरिए पात्रों में जान डालती हैं। अंजुम का जन्म 2 सितंबर 1986 को उत्तर प्रदेश में हुआ। उन्होंने अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी से आर्ट्स में स्नातक की डिग्री हासिल की और पढ़ाई पूरी करने के बाद ग्लैमर की दुनिया में कदम रखा। उन्होंने टीवी धारावाहिकों और म्यूजिक वीडियो में काम किया और बॉलीवुड फिल्मों के लिए वॉइस–ओवर भी किया। शिवम और अंजुम की मुलाकात एक कॉमन फ्रेंड के जरिए हुई। दोस्ती धीरे–धीरे प्यार में बदल गई और 16 जुलाई 2021 को दोनों ने मुंबई में एक निजी समारोह में शादी की। शादी में हिंदू और मुस्लिम दोनों रीति–रिवाजों का पालन

किया गया, जो उनकी विविधता में एकता का उदाहरण है। शादी के बाद परिवार खुशहाल रहा। 2022 में उनका पहला बेटा अयान हुआ और जनवरी 2025 में बेटी मेहविश ने परिवार की खुशियों में चार चांद लगाए। अंजुम सोशल मीडिया पर अक्सर अपने परिवार की प्यारी तस्वीरें साझा करती हैं, जिससे उनके बीच के प्रेम और सामंजस्य की झलक मिलती है। अंजुम खान न केवल ग्लैमरस और प्रोफेशनल हैं, बल्कि शिवम दुबे की सबसे बड़ी साइलेंट सपोर्टर भी हैं, जो उनके क्रिकेट करियर में हमेशा उनका सहारा बनी हुई हैं।

एलएलसी 2026 का आगाज कल से : चार शहरों में होंगे मुकाबले

यूनिक समय, नई दिल्ली। लीजेंड्स लीग क्रिकेट (एलएलसी) 2026 का आगाज 11 मार्च से होने जा रहा है। टी 20 वर्ल्ड कप 2026 के समापन के बाद क्रिकेट प्रेमियों के लिए यह शानदार लीग शुरू हो रही है। लीग स्टेज में कुल 19 मैच खेले जाएंगे, जिनमें 15 मुकाबले चार शहरों, हल्द्वानी, कोयंबटूर, अमृतसर और ग्वालियर में होंगे। उत्तराखंड के हल्द्वानी में लीग का आगाज होगा, जहाँ 11 और 12 मार्च को मैच खेले जाएंगे। कोयंबटूर में 13 और 15 मार्च को मुकाबले होंगे। अमृतसर में सबसे ज्यादा पांच लीग स्टेज मैच होंगे, जबकि ग्वालियर में चार मैच होंगे। नॉकआउट मुकाबले 24 मार्च से शुरू होंगे और फाइनल 27 मार्च को खेला जाएगा। इस लीग में कुल छह टीमें भाग लेंगी, मुंबई स्पार्टन्स, इंडिया कैप्टन्स,

लीग स्टेज में कुल 19 मैच खेले जाएंगे

रॉयल राइडर्स पंजाब, इंडिया टाइगर्स, कोणार्क सूर्यास ओडिशा और साउदर्न सुपर स्टार्स। प्रमुख मैचों में 11 मार्च को मुंबई स्पार्टन्स और इंडिया कैप्टन्स का मुकाबला हल्द्वानी में, 16 मार्च को इंडिया कैप्टन्स और साउदर्न सुपर स्टार्स का मैच अमृतसर में और 17 मार्च को मुंबई स्पार्टन्स और कोणार्क सूर्यास ओडिशा का मुकाबला ग्वालियर में होगा। नॉकआउट राउंड 24 मार्च से शुरू होगा, जिसमें क्वालिफायर एक, एलिमिनेटर, क्वालिफायर दो और 27 मार्च को फाइनल मैच शाम 7:30 बजे खेला जाएगा। एलएलसी 2026 के इस रोमांचक सीजन में क्रिकेट फैंस को शानदार मुकाबले और उत्साह देखने को मिलेगा।

अजहरुद्दीन ने वर्ल्ड कप हैट्रिक की उम्मीद जताई

यूनिक समय, नई दिल्ली। टी 20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में भारत ने न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर लगातार दूसरी बार खिताब अपने नाम किया। यह जीत भारत की धरती पर टी 20 वर्ल्ड कप जीतने वाली पहली और लगातार दो बार जीतने वाली पहली टीम बनने का रिकॉर्ड भी है। भारतीय टीम ने पूरे टूर्नामेंट में दमदार खेल दिखाया और मुश्किल हालात में भी संयम बनाए रखा।

पूर्व कप्तान और तेलंगाना सरकार के मंत्री मोहम्मद अजहरुद्दीन ने टीम को बधाई दी और उम्मीद जताई कि भारत भविष्य में वर्ल्ड कप जीत की हैट्रिक भी बनाएगा। उन्होंने विशेष रूप से विकेटकीपर–बल्लेबाज संजू सैमसन की तारीफ की, जिनकी समझदारी और दबाव में प्रदर्शन टीम की जीत में अहम साबित हुई। युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा को भी अजहरुद्दीन ने सराहा और बताया कि तेलंगाना सरकार उन्हें सम्मानित करने की योजना बना रही है।

'धुरंधर 2': महंगी टिकटों के बावजूद हाउसफुल, एडवांस में कमाए 20 करोड़

यूनिक समय, नई दिल्ली। रणवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधर 2' अपनी रिलीज से पहले ही बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा रही है। फिल्म 19 मार्च को ग्रैंड रिलीज होने वाली है, लेकिन 18 मार्च के प्रीव्यू शो के लिए एडवांस बुकिंग ने पहले ही 20 करोड़ की कमाई कर दी है। मेट्रो शहरों में सामान्य टिकट 600-900 रुपये और शो के लिए रुपये 1000 से अधिक कीमत में बिक रहे हैं। मुंबई के मेगाप्लेक्स में रिक्लाइनर सीट रुपये 3100 में बिक रही है, वहीं दिल्ली के पीवीआर सिलेक्ट सिटी वॉक में रुपये 2400 की टिकट उपलब्ध है। फिल्म के हिंदी वर्जन का औसत टिकट मूल्य रुपये 418 है, जबकि डॉल्बी सिनेमा में यह रुपये 759 तक पहुंच रहा है। दक्षिण भारतीय भाषाओं में भी टिकट कीमतें अधिक हैं, कन्नड़ डब के 445 और तेलुगु के रुपये 230। तमिलनाडु में 'प्राइस कैप' के कारण टिकट औसतन रुपये 166 में उपलब्ध हैं। रिलीज से आठ दिन पहले ही भारत में लगभग 3 लाख टिकट बिक चुके हैं, जिससे रुपये 15 करोड़ का कलेक्शन हो चुका है। आदित्य धर के निर्देशन में

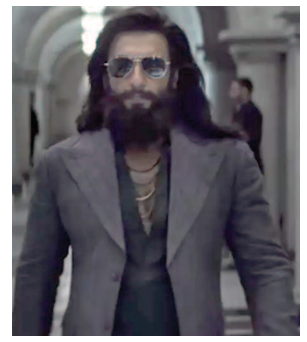

बनी यह फिल्म 'धुरंधर' फ्रेंचाइज़ी का दूसरा भाग है। कहानी में रणवीर सिंह एक भारतीय जासूस के रूप में पाकिस्तान में मिशन पर दिखेंगे। फिल्म में आर माधवन, संजय दत्त, अर्जुन रामपाल, दानिश पंडोर और सारा अर्जुन भी हैं।

2025 में रिलीज हुए पहले भाग ने रुपये 1300 करोड़ कमाई की थी और 'धुरंधर 2' उससे भी आगे बढ़ने का लक्ष्य रखती है। महंगी टिकटों और एडवांस बुकिंग के बावजूद फिल्म के प्रीमियम शो हाउसफुल जा रहे हैं, जिससे बॉक्स ऑफिस पर नए रिकॉर्ड की उम्मीद है।

बांग्लादेश और पाकिस्तान की ओडीआई में भिड़ंत

यूनिक समय, नई दिल्ली। टी 20 वर्ल्ड कप 2026 के समापन के बाद अब बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच तीन मैचों की ओडीआई सीरीज का आगाज 11 मार्च से होने जा रहा है। दोनों टीमें ढाका के शेरे बांग्ला नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में आमने–सामने उतरेंगी। यह सीरीज दोनों टीमों के लिए टी 20 में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद अपनी लय हासिल करने का मौका होगी। बांग्लादेश ने हाल ही में सुरक्षा कारणों से टी 20 वर्ल्ड कप 2026 से हटने का फैसला किया था, जबकि पाकिस्तान सुपर–8 स्टेज से आगे नहीं बढ़ पाया था। सीरीज का पहला मुकाबला 11 मार्च को

दोपहर 2:15 बजे स्थानीय समयानुसार खेला जाएगा, जिसे भारत में 1:45 बजे (आईएसटी) से देखा जा सकेगा। तीनों ओडीआई मुकाबले एक ही स्टेडियम में होंगे। भारत में मैच का टीवी प्रसारण नहीं होगा, लेकिन फैंस ऐप और वेबसाइट के माध्यम से लाइव स्ट्रीमिंग देख सकते हैं। टीमों में कुछ बड़े नाम नहीं हैं। बांग्लादेश में ऑलराउंडर अफिफ हुसैन की वापसी हुई है, जबकि नूरुल हसन, जकर अली अनिक और शमीम हुसैन को टीम में जगह नहीं मिली। पाकिस्तान की कप्तानी तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी संभालेंगे। टीम में नए खिलाड़ी साहिबजादा फरहान, अब्दुल समद, माज सदाकत, मुहम्मद गाजी गोरी, साद मसूद और शमील हुसैन शामिल हैं, जबकि बाबर आजम, फखर जमान और सैम अयूब नहीं खेलेंगे। यह सीरीज दोनों टीमों के लिए अपनी रणनीति सुधारने और फॉर्म हासिल करने का महत्वपूर्ण अवसर होगी।

मिडिल ईस्ट संकट के बीच कुवैत से लौटी उर्वशी रौतेला, शेयर किया डरावना अनुभव

यूनिक समय, नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट में ईरान और इजराइल के बीच बढ़ते तनाव के दौरान कई भारतीय सेलेब्स वहां फंसे हुए थे। ऐसे ही सितारों में अभिनेत्री उर्वशी रौतेला भी शामिल थीं, जो कुवैत में थीं। हाल ही में उन्होंने भारत लौटते समय एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया, जिसमें उन्होंने उस समय का डर और भावनाओं का खुलासा किया।

वीडियो में उर्वशी कहती हैं कि वे प्लेन में बैठी थीं और शुरू में तो सब ठीक था, लेकिन फिर अचानक डर का अनुभव होने लगा। उनका दिल तेजी से धड़कने लगा और वे समझ नहीं पा रही थीं कि ऐसा उनके साथ क्यों हो रहा है। इस वीडियो के माध्यम से उन्होंने अपने फैंस को यह भी बताया कि युद्ध के दौरान कुवैत में स्थिति कितनी तनावपूर्ण थी और वहां रहना कितना चुनौतीपूर्ण अनुभव था। उर्वशी के इस अनुभव ने यह दर्शाया कि मिडिल ईस्ट में हालात कितने गंभीर हैं और वहां रह रहे

लोगों को कितनी मुश्किलें झेलनी पड़ रही हैं। भारतीय सेलेब्स की सुरक्षित वापसी ने लोगों को राहत दी है, लेकिन उनकी साझा की गई भावनाएं इस संकट की गंभीरता को उजागर करती हैं।

उर्वशी रौतेला का यह वीडियो न केवल उनके फैंस के लिए महत्वपूर्ण अपडेट था, बल्कि यह उन सभी भारतीयों के लिए चेतावनी भी है, जो इन संकटग्रस्त क्षेत्रों में हैं। सुरक्षित वापसी के बाद उर्वशी ने यह संदेश दिया कि ऐसे समय में सावधानी और धैर्य बेहद जरूरी हैं।

टी 20 वर्ल्ड कप में दो बार फाइनल हारने वाली टीमें और उनका संघर्ष

खिताबी मुकाबले में बार-बार टूटा सपना

यूनिक समय, नई दिल्ली। टी 20 वर्ल्ड कप के इतिहास में कुछ टीमें ऐसी रही हैं जो खिताब के बेहद करीब पहुंचीं, लेकिन दो–दो बार फाइनल हारकर जीत का सपना अधूरा रह गया। इन टीमों की कहानी क्रिकेट में किस्मत और दबाव भरे मुकाबलों की याद दिलाती है। पाकिस्तान ने टी 20 वर्ल्ड कप 2007 के फाइनल में भारत के खिलाफ महज 5 रन से हार झेली थी। पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने 5 विकेट खोकर 157 रन बनाए, जबकि पाकिस्तान 19.3 ओवर में 152 रन पर आउट हो गई। इसके बाद 2022 में इंग्लैंड के खिलाफ फाइनल में पाकिस्तान को फिर हार का सामना करना पड़ा। इस बार पहले बल्लेबाजी करते हुए उन्होंने 8 विकेट गंवा कर 137 रन बनाए, और इंग्लैंड ने 19 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। श्रीलंका भी दो बार फाइनल में पहुंचे लेकिन जीत नहीं सकी। 2009 के फाइनल में उन्होंने 6 विकेट खोकर 138 रन बनाए, जिसे पाकिस्तान ने 18.4 ओवर में हासिल कर लिया। 2012 में वेस्टइंडीज के खिलाफ फाइनल खेलते हुए श्रीलंका 18.4 ओवर में केवल 101 रन पर ऑल आउट हो गई, जबकि वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 137/6 रन बनाए थे। न्यूजीलैंड की टीम ने पहली बार 2021 में टी20 वर्ल्ड कप फाइनल में जगह बनाई। उन्होंने पहले बल्लेबाजी करते हुए 4 विकेट खोकर 172 रन बनाए, लेकिन ऑस्ट्रेलिया ने 18.5 ओवर में मैच अपने नाम कर लिया। 2026 के फाइनल में न्यूजीलैंड ने फिर खिताबी मुकाबले में पहुंचकर भारत के हाथों 96 रन से हार झेली। भारत ने 5 विकेट खोकर 255 रन बनाए, और न्यूजीलैंड 19 ओवर में सिर्फ 159 रन ही बना सकी। ये टीमें फाइनल में दो-दो बार पहुंचकर जीत के बहुत करीब थीं, लेकिन दबाव और मुकाबले की परिस्थितियों ने उन्हें निराशा दी। टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में ये उदाहरण दर्शाते हैं कि सिर्फ कौशल ही नहीं, मानसिक मजबूती और किस्मत भी क्रिकेट में बड़ी भूमिका निभाती है।

गैस संकट: कमर्शियल सिलेंडर की सप्लाई रुकी

पांच लाख लोगों के भोजन पर खतरा

यूनिक समय, लखनऊ। राजधानी लखनऊ में व्यावसायिक गैस सिलेंडरों की आपूर्ति पर रोक लगने से बड़ा संकट खड़ा हो गया है। इस फैसले का सबसे ज्यादा असर स्ट्रीट फूड वेंडरों, छोटे रेस्टोरेंटों और ढाबा संचालकों पर पड़ने की आशंका है। इन व्यवसायों के पास आमतौर पर गैस का सीमित भंडार होता है, जो एक-दो दिन में खत्म हो सकता है। ऐसे में इन पर निर्भर करीब पांच लाख से अधिक लोगों के सामने भोजन का संकट पैदा हो सकता है।

लखनऊ में बड़ी संख्या में नौकरीपेशा लोग, मजदूर और दूसरे शहरों से आकर रहने वाले छात्र रहते हैं। शहर में करीब 25 हजार से अधिक छात्र बाहर से आकर पढ़ाई कर रहे हैं, जो रोजाना भोजन के लिए स्ट्रीट फूड वेंडरों, ढाबों और टिफिन सेवाओं पर निर्भर रहते हैं। ऐसे में गैस सप्लाई रुकने से इनकी रोजमर्रा की जिंदगी पर सीधा असर पड़ सकता है।

चारबाग क्षेत्र से जुड़े होटल व्यवसायी अनिल विरमानी का कहना है कि बड़े होटल-रेस्टोरेंट में खाने वाले लोगों की बात अलग है, लेकिन मजदूरों, नौकरीपेशा लोगों और छात्रों की बड़ी आबादी सस्ते भोजन के लिए ढाबों और छोटे रेस्टोरेंटों पर निर्भर रहती है। गैस की सप्लाई बंद होने से इन लोगों के सामने भोजन का संकट खड़ा हो सकता है और इससे जुड़े हजारों लोगों की रोजी-रोटी भी प्रभावित होगी।

स्ट्रीट फूड वेंडर, ढाबे और छोटे रेस्टोरेंट सबसे ज्यादा प्रभावित

गैस सप्लाई पर रोक का असर लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्रावासों पर भी पड़ सकता है। विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर और जानकीपुरम परिसर को मिलाकर कुल 18 छात्रावास हैं, जहां करीब दो हजार छात्र-छात्राएं मेस पर निर्भर हैं। फिलहाल मेस में करीब सात दिन का गैस भंडार मौजूद है।

इसके अलावा गोमतीनगर स्थित केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, अटल आवासीय विद्यालय और कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय के छात्रावासों में रहने वाले लगभग 1800 विद्यार्थियों के भोजन पर भी संकट के बादल मंडरा सकते हैं। हालांकि कुछ विश्वविद्यालयों ने फिलहाल 10 से 12 दिन तक का गैस भंडार होने की बात कही है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि गैस की आपूर्ति जल्द बहाल नहीं हुई और अंतरराष्ट्रीय हालात लंबे समय तक बने रहे, तो राजधानी में खानपान से जुड़े कारोबार और आम लोगों की जिंदगी पर इसका असर और गहरा हो सकता है।

प्लास्टिक दाना महंगा एक हफ्ते में दाम दोगुने

200 करोड़ का उत्पादन घटा, नए ऑर्डर मिलने बंद

युद्ध के असर से प्लास्टिक उद्योग पर संकट

यूनानक समय, कानपुर । कानपुर देहात के औद्योगिक क्षेत्रों में प्लास्टिक उद्योग पर संकट गहराता जा रहा है। अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध के कारण कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आई है और आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित हुई है। इसका सीधा असर प्लास्टिक दाना (पॉलीमर) की कीमतों पर पड़ा है। पिछले एक सप्ताह में प्लास्टिक दाना के दाम तेजी से बढ़कर लगभग दोगुने हो गए हैं, जिससे उद्योगों का उत्पादन प्रभावित हो गया है।

जिले के जैनपुर और रनियां औद्योगिक क्षेत्रों में करीब 100 प्लास्टिक फैक्टरियां संचालित हैं। इन इकाइयों में बाल्टी, केतली, पैकेजिंग सामग्री, पाइप, कुर्सी और अन्य घरेलू व औद्योगिक सामान तैयार किया जाता है। आम दिनों में यहां से हर महीने करीब 400 करोड़ रुपये का कारोबार होता है, लेकिन कच्चे माल की कीमतों में अचानक आई बढ़ोतरी के कारण उद्योगों ने नुकसान से बचने के लिए उत्पादन घटा दिया है। इससे करीब 200 करोड़ रुपये के उत्पादन में गिरावट दर्ज की गई है।

उद्यमियों के अनुसार पहले पीवीसी दाना लगभग 76 रुपये प्रति किलो मिलता था, जो अब एक सप्ताह के भीतर बढ़कर करीब 119 रुपये प्रति किलो हो गया है। इसी तरह लो-डेंसिटी पॉलीमर की कीमत 98 रुपये से बढ़कर 130 रुपये प्रति किलो पहुंच गई है। पॉलीप्रोपाइलीन (पीपी) के दाम में भी करीब 50 रुपये प्रति किलो तक की बढ़ोतरी हुई है।

कच्चे माल की बढ़ती कीमतों के कारण पुराने ऑर्डर पूरे करना भी मुश्किल हो गया है। कई उद्योगों को पहले तय दरों पर ही माल देना पड़ रहा है, जिससे उन्हें नुकसान उठाना पड़ रहा है। वहीं नए ऑर्डर मिलना भी लगभग बंद हो गए हैं।

उद्यमियों का कहना है कि यदि यही स्थिति बनी रही तो छोटी इकाइयों को बंद करना पड़ सकता है, जिससे बड़ी संख्या में लोगों की रोजी-रोटी पर संकट खड़ा हो जाएगा। उद्योग जगत ने सरकार से इस समस्या के समाधान के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की है।

युवाओं के लिए बड़ा मौका: 8वीं पास भी कर सकेंगे कारोबार

युवाओं को बिजनेस के लिए बिना ब्याज के मिलेगा पांच लाख लोन

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री युवा विकास अभियान के तहत विशेष योजना चला रही है। इस योजना के अंतर्गत 21 से 40 वर्ष तक के युवाओं को अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए बैंक के माध्यम से पांच लाख रुपये तक का 100 प्रतिशत ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। खास बात यह है कि इस लोन के लिए किसी प्रकार की गारंटी की जरूरत नहीं होगी, जिससे अधिक से अधिक युवा इसका लाभ उठा सकें।

जिला उद्योग एवं उद्यम प्रोत्साहन केंद्र के अधिकारियों के अनुसार योजना के तहत स्वीकृत प्रोजेक्ट पर सरकार की ओर से 10 प्रतिशत मार्जिन मनी सब्सिडी भी दी जाएगी। इससे व्यवसाय शुरू करने में युवाओं पर आर्थिक बोझ कम होगा और उन्हें शुरुआती दौर में राहत मिलेगी। सरकार का उद्देश्य युवाओं को नौकरी तलाशने वाला नहीं बल्कि रोजगार देने वाला उद्यमी बनाना है। इस योजना के तहत मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस सेक्टर में कई प्रकार के छोटे उद्योग शुरू किए जा सकते हैं। मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र में जूता इंसोल, चप्पल निर्माण, मसाला और आटा यूनिट, नमकीन निर्माण, रेडीमेड गारमेंट, फर्नीचर, प्लास्टिक उत्पाद और डेयरी प्रोसेसिंग इकाइयों की स्थापना की जा सकती है।

मुख्यमंत्री युवा विकास अभियान के तहत सरकार दे रही आर्थिक मदद, गारंटी की भी जरूरत नहीं

वहीं सर्विस सेक्टर में ई-रिक्शा संचालन, मोबाइल रिपेयरिंग, ब्यूटी पार्लर, कंप्यूटर सेंटर, वाहन सर्विस सेंटर, कोचिंग संस्थान, लॉन्ड्री और बिजनेस ऑन व्हील्स जैसे व्यवसाय शुरू करने का अवसर मिलेगा। इससे युवाओं को अपने क्षेत्र में ही रोजगार के नए अवसर मिल सकेंगे।

इस योजना का लाभ लेने के लिए आवेदक की उम्र 21 से 40 वर्ष के बीच होनी चाहिए। इसके अलावा न्यूनतम आठवीं कक्षा पास होना आवश्यक है। इससे कम पढ़े-लिखे युवाओं को भी खुद का रोजगार शुरू करने का अवसर मिलेगा।

इच्छुक युवा योजना का लाभ लेने के लिए उद्योग विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इसके अलावा अधिक जानकारी या सहायता के लिए जिला उद्योग केंद्र में भी संपर्क किया जा सकता है।

अधिकारियों के अनुसार यह योजना युवाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने और प्रदेश में छोटे उद्योगों को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकती है।

सीडीओ का वीडियो वायरल: डिप्टी सीएम के निर्देश पर निलंबन

यूपी में घूसकांड: 'हर आंगनबाड़ी से 10 हजार रुपये चाहिए'

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश के एटा जिले में मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) से जुड़ा एक कथित घूसकांड सामने आने के बाद प्रशासनिक हलकों में हड़कंप मच गया है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में सीडीओ नागेंद्र नारायण मिश्रा को कथित तौर पर पैसों की मांग करते हुए सुना जा रहा है। वीडियो सामने आने के बाद मामला तेजी से शासन तक पहुंच गया और कार्रवाई करते हुए उन्हें निलंबित कर दिया गया है। वायरल वीडियो में सीडीओ, जिला समन्वयक (डिस्ट्रिक्ट कॉर्डिनेटर) संजीव पचौरी से बातचीत करते दिखाई दे रहे हैं। बातचीत के दौरान वह कथित तौर पर कहते सुनाई देते हैं कि "हर आंगनबाड़ी से 10 हजार रुपये चाहिए।" इसके साथ ही वह पचौरी से कहते हैं कि आप अपने आदमी हैं, पैसे दिलवाने की व्यवस्था कराइए।

हालांकि वीडियो में दिखाई दे रहे जिला समन्वयक संजीव पचौरी ने इस मांग को तुरंत खारिज कर दिया। उन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा कि वह किसी भी प्रकार के पैसे के लेन-देन में शामिल नहीं होंगे। इस बातचीत का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया, जिसके बाद प्रशासनिक महकमे में हलचल मच गई। मामला शासन तक पहुंचने के बाद उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि सीडीओ नागेंद्र नारायण मिश्रा को निलंबित कर दिया गया है और उन्हें मुख्यालय से संबद्ध कर दिया गया है। साथ ही मामले की जांच भी कराई जा रही है। जानकारी के अनुसार नागेंद्र नारायण मिश्रा ग्राम्य विकास सेवा के अधिकारी हैं और बीडीओ पद से पदोन्नति पाकर सीडीओ बने थे। इस घटना के बाद सरकारी विभागों में पारदर्शिता और जवाबदेही को लेकर एक बार फिर सवाल उठने लगे हैं।

डिस्ट्रिक्ट कॉर्डिनेटर से पैसों की मांग का आरोप

प्रशासनिक सूत्रों के मुताबिक, मामले की विस्तृत जांच के बाद आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। फिलहाल वायरल वीडियो ने सरकारी तंत्र में भ्रष्टाचार के मुद्दे को एक बार फिर चर्चा में ला दिया है।

महापौर कार्यालय पर चस्पा हुआ ज्ञापन

बसपा पार्षदों की आंदोलन की चेतावनी

यूनिक समय, आगरा । आगरा नगर निगम में सदन की बैठक समय पर न होने को लेकर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के पार्षदों ने विरोध जताया। मंगलवार को बसपा पार्षद दल ने महापौर कार्यालय के गेट पर ज्ञापन चस्पा कर प्रशासन का ध्यान इस मुद्दे की ओर खींचा और जल्द बैठक बुलाने की मांग की। पार्षदों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही सदन की बैठक आयोजित कर जनहित से जुड़े मुद्दों पर चर्चा नहीं की गई तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

बसपा पार्षदों का कहना है कि नगर निगम अधिनियम के अनुसार वर्ष में छह सदन और 12 कार्यकारिणी बैठकों का आयोजन अनिवार्य है। इसके बावजूद आगरा नगर निगम में इन नियमों का पालन नहीं किया जा रहा है। कई बार बैठक की तारीख तय होने के बाद भी उसे स्थगित कर दिया जाता है, जिससे जनप्रतिनिधियों और शहर की जनता दोनों में नाराजगी बढ़ रही है।

पार्षदों ने आरोप लगाया कि बैठकों के अभाव में शहर के विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं और कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा नहीं हो पा रही है। खासकर मानसून से पहले नालों की सफाई और जलभराव की समस्या जैसे विषयों पर तुरंत निर्णय लेने की जरूरत है। बसपा पार्षद दल का कहना है कि यदि जल्द बैठक बुलाकर इन समस्याओं पर चचा नहीं की गई तो वे चरणबद्ध तरीके से आंदोलन शुरू करेंगे। उनका कहना है कि नगर निगम की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता और नियमित बैठकें होना जरूरी है, ताकि शहर के विकास कार्य समय पर पूरे हो सकें और जनता को समस्याओं से राहत मिल सके।

सार संक्षेप

धामी सरकार ने पेश की विकास रिपोर्ट

यूनिक समय, नई दिल्ली। उत्तराखंड विधानसभा में सरकार ने विकास कार्यों का रिपोर्ट कार्ड पेश किया। बताया गया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य में 819 पंचायत भवन बनाए गए हैं। साथ ही 11 हजार किलोमीटर से अधिक सड़कों को गड्ढा मुक्त किया गया है। केदारनाथ और यमुनोत्री जैसे प्रमुख तीर्थस्थलों को रोप–वे परियोजनाओं से जोड़ने का काम भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। सरकार ने कहा कि इन योजनाओं से पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था को बड़ा लाभ मिलेगा।

एलपीजी आपूर्ति को लेकर केंद्र को पत्र

यूनिक समय, नई दिल्ली। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कमर्शियल एलपीजी की आपूर्ति को लेकर केंद्र सरकार को पत्र लिखा है। उन्होंने केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी से होटलों और रेस्टोरेंट के लिए पर्याप्त गैस उपलब्ध कराने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि गैस की कमी से कारोबार प्रभावित हो रहा है। उन्होंने तेल कंपनियों को आपूर्ति बाधाएं दूर करने और रेस्टोरेंट व होटल उद्योग के लिए सुचारू गैस आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की।

सोशल मीडिया बदनामी पर बनेगी सख्त नीति

यूनिक समय, नई दिल्ली। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोशल मीडिया पर बिना सबूत किसी की बदनामी करने के मामलों पर सख्त कदम उठाने की घोषणा की है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में डीजीपी की अध्यक्षता में एक विशेष समिति बनाई जाएगी। समिति की सिफारिशों के आधार पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सरकार का उद्देश्य फर्जी और भ्रामक पोस्ट के जरिए लोगों की छवि खराब करने पर रोक लगाना है।

संसद में पीएम मोदी से मिले पुरी

यूनिक समय, नई दिल्ली। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने संसद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े मुद्दों और गैस आपूर्ति की स्थिति पर चर्चा होने की जानकारी सामने आई है। हाल के दिनों में अंतरराष्ट्रीय हालात और गैस आपूर्ति से जुड़े मामलों को लेकर सरकार सक्रिय नजर आ रही है। बैठक को इसी संदर्भ में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

दिल्ली पुलिस का हंटिंग ऑपरेशन सफल

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने आउटर नॉर्थ जिले में चलाए गए 'हंटिंग ऑपरेशन' में बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ में मुख्य आरोपी अरुण मारा गया। वहीं गिरोह के मास्टरमाइंड सरजाद साउ सहित पांच वांटेड बदमाशों को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के पास से अवैध हथियार और चोरी की बाइकें बरामद हुई हैं। पुलिस पूरे नेटवर्क की जांच कर रही है।

सुप्रीम कोर्ट ने दिया बड़ा निर्देश

यूनिक समय, नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल की विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) प्रक्रिया से बाहर हुए लोगों को राहत देते हुए विशेष ट्रिब्यूनल बनाने का निर्देश दिया है। अदालत ने कहा कि इन मामलों की सुनवाई पूर्व मुख्य न्यायाधीशों और वरिष्ठ न्यायाधीशों की अध्यक्षता में गठित ट्रिब्यूनल करेंगे। इस फैसले से प्रभावित लोगों को अपनी अपील रखने का नया अवसर मिलेगा।

ट्रंप-पुतिन की फोन पर ईरान युद्ध की चर्चा

करीब एक घंटे चली बातचीत, संघर्ष रोकने को लेकर जताई उम्मीद

यूनिक समय, नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच फोन पर करीब एक घंटे तक बातचीत हुई। क्रेमलिन ने इस बातचीत को "सीधी और व्यावहारिक" बताते हुए कहा कि दोनों नेताओं ने ईरान से जुड़े युद्ध और उसके संभावित समाधान पर चर्चा की। यह बातचीत ऐसे समय हुई जब क्षेत्र में संघर्ष लगातार तेज हो रहा है। अमेरिका और इजराइल की ओर से ईरान से जुड़े ठिकानों पर हवाई हमले किए जा रहे हैं, जबकि ईरान ने भी इजराइल और खाड़ी देशों की ओर जवाबी कार्रवाई तेज कर दी है। इसी दौरान लेबनान के संगठन हिजबुल्लाह ने इजराइल पर रॉकेट दागे, जिसके जवाब में इजराइल ने उसके ठिकानों पर हमले किए। इस बीच ईरान में बड़ा राजनीतिक बदलाव भी देखने को मिला। ईरानी सरकारी मीडिया के अनुसार अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई को देश का नया सर्वोच्च नेता नियुक्त किया गया है। बताया गया कि उन्होंने अपने पिता की जगह ली है, जिनकी युद्ध की शुरुआत में मौत हो गई थी। नए नेता को कट्टरपंथी विचारों वाला माना जाता है और अब वह ईरान की सशस्त्र सेनाओं और परमाणु कार्यक्रम से जुड़े फैसलों की निगरानी करेंगे। उधर अमेरिकी रक्षा मंत्रालय ने भी संघर्ष के बीच एक अमेरिकी सैनिक की मौत की पुष्टि की है। जानकारी के अनुसार सउद्दी अरब स्थित सैन्य ठिकाने पर हुए हमले में घायल सैनिक की बाद में मौत हो गई। तेहरान में भी देर रात कई जोरदार विस्फोटों की आवाजें सुनाई दीं। स्थानीय लोगों के अनुसार आधी रात के आसपास 20 से अधिक धमाके हुए और कुछ इलाकों में बिजली भी गुल हो गई। सुरक्षा कारणों से अमेरिका ने सउद्दी अरब और तुर्की स्थित अपने कई राजनयिक मिशनों से गैर–जरूरी कर्मचारियों और उनके परिवारों को वापस बुलाने का आदेश दिया है। वहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उम्मीद जताई जा रही है कि दोनों नेताओं की बातचीत से युद्ध रोकने की दिशा में कूटनीतिक प्रयास तेज हो सकते हैं।

यूसीसी पर सुप्रीम कोर्ट की अहम टिप्पणी

अब विचार का समय, लेकिन फैसला संसद का अधिकार

यूनिक समय, नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को लेकर महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा है कि देश में अब इस विषय पर गंभीरता से विचार करने का समय आ गया है। हालांकि अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि व्यक्तिगत कानूनों में बड़े बदलाव या शरीयत कानून की धाराओं को समाप्त करने जैसे निर्णय लेना संसद का अधिकार क्षेत्र है।

मंगलवार को मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने इस मामले की सुनवाई की। पीठ में न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति आर. महादेवन भी शामिल थे। अदालत मुस्लिम पर्सनल लॉ (शरीयत) एप्लीकेशन एक्ट, 1937 की कुछ धाराओं को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिका में इन प्रावधानों को मुस्लिम महिलाओं के प्रति भेदभावपूर्ण बताया गया है। सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि यदि न्यायालय शरियत कानून के उत्तराधिकार संबंधी प्रावधानों को सीधे रद्द कर देता है, तो इससे एक कानूनी खालीपन पैदा हो सकता है। अदालत ने सवाल उठाया कि यदि 1937 का कानून खत्म कर दिया जाए तो उसके स्थान पर कौन सा कानून लागू होगा। मुख्य न्यायाधीश ने याचिकाकर्ताओं के वकील से कहा कि

याचिकाकर्ता की ओर से दलील, मुस्लिम महिलाओं को पुरुषों के बराबर अधिकार मिलने चाहिए

सुधार की जल्दबाजी में ऐसा कदम नहीं उठाया जाना चाहिए जिससे महिलाओं को मौजूदा व्यवस्था से भी कम अधिकार मिल जाएं। अदालत ने यह भी कहा कि सामाजिक और व्यक्तिगत कानूनों में व्यापक बदलाव लाने का सबसे उचित तरीका विधायी प्रक्रिया ही है।

न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची ने भी कहा कि याचिका में उठाया गया भेदभाव का मुद्दा महत्वपूर्ण है, लेकिन इस पर अंतिम फैसला संसद को ही लेना चाहिए। संविधान के नीति–निर्देशक सिद्धांतों में भी समान नागरिक संहिता लागू करने की जिम्मेदारी विधायिका को दी गई है। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से दलील दी गई कि मुस्लिम महिलाओं को पुरुषों के बराबर उत्तराधिकार मिलने चाहिए। साथ ही यह भी सुझाव दिया गया कि विवादित प्रावधान हटने की स्थिति में भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम लागू किया जा सकता है। अदालत ने मामले की सुनवाई जारी रखते हुए कहा कि इस विषय पर संतुलित और व्यापक दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक है।

गैस जमाखोरी पर सख्ती, सरकार ने लागू किया आवश्यक वस्तु अधिनियम

यूनिक समय, नई दिल्ली। ईरान, अमेरिका और इजरायल के बीच बढ़ते तनाव के कारण वैश्विक स्तर पर ईंधन आपूर्ति प्रभावित हो रही है। इसका असर भारत में भी देखने को मिल रहा है, जहां गैस और पेट्रोल की संभावित कमी को देखते हुए केंद्र सरकार ने सख्त कदम उठाए हैं।

सरकार ने जमाखोरी और कालाबाजारी रोकने के लिए पूरे देश में आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 लागू कर दिया है।

सरकार के इस फैसले के बाद गैस सिलेंडर की जमाखोरी और ब्लैक मार्केटिंग पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी, जिसमें तीन महीने से लेकर सात साल तक की सजा और जुर्माने का प्रावधान है। सरकार ने यह भी निर्देश दिया है कि अब रिफाइनरियां और पेट्रोकेमिकल प्लांट गैस का उपयोग औद्योगिक उत्पादन के लिए नहीं कर सकेंगे। इन गैसों को सीधे एलपीजी पूल में भेजा जाएगा ताकि घरेलू उपभोक्ताओं को रसोई गैस की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित हो सके। सरकार का कहना है कि घरेलू जरूरतों को प्राथमिकता देते हुए यह कदम उठाया गया है, जिससे आम लोगों को गैस की कमी का सामना न करना पड़े।

ईरान ने ट्रंप के बयान को किया खारिज, कहा–युद्ध का फैसला हम करेंगे

यूनिक समय, नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट में तनाव बढ़ते ही ईरान ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हालिया बयान को पूरी तरह खारिज कर दिया है।

ट्रंप ने कहा था कि ईरान के खिलाफ युद्ध जल्द ही खत्म हो जाएगा और यह केवल "छोटी अवधि का अभियान" है। इस पर ईरान की इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने स्पष्ट किया कि युद्ध कब और कैसे खत्म होगा, इसका निर्णय सिर्फ ईरान के हाथ में है। आईआरजीसी ने कहा, "हम तय करेंगे कि यह जंग कब खत्म होगी। क्षेत्र का भविष्य और समीकरण अब हमारी सशस्त्र सेनाओं के हाथ में हैं।

कतर में एलएनजी संकट से भारत की गैस सप्लाई प्रभावित

यूनिक समय, नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच कतर की बड़ी गैस फैसिलिटी पर हमले के बाद भारत की तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) आपूर्ति पर असर पड़ा है। कतर से आने वाली करीब 40 प्रतिशत गैस सप्लाई प्रभावित होने से ऊर्जा क्षेत्र में चिंता बढ़ गई है।

स्थिति को देखते हुए केंद्र सरकार ने गैस वितरण के लिए नई "ऑप्टिमाइजेशन योजना" पर काम तेज कर दिया है। इस योजना के तहत उर्वरक क्षेत्र जैसे प्राथमिकता वाले सेक्टर को पहले गैस उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि खेती और खाद उत्पादन पर कोई बड़ा असर न पड़े। विशेषज्ञों का कहना है कि उर्वरक उद्योग को सीमित स्तर पर ही गैस कटौती का सामना करना पड़ सकता है। फिलहाल कई कंपनियां इस अवधि का उपयोग अपने प्लांटों के रखरखाव कार्य के लिए भी कर रही हैं, जिससे तत्काल दबाव कम है। देश में उर्वरकों का पर्याप्त भंडार होने से भी स्थिति कुछ हद तक नियंत्रित है। सरकार अन्य देशों से अतिरिक्त एलएनजी आपूर्ति सुनिश्चित करने की कोशिश में जुटी है, ताकि उद्योग और ऊर्जा क्षेत्र की जरूरतें पूरी की जा सकें। हालांकि गैर–प्राथमिकता वाले उद्योगों को कम गैस सप्लाई के साथ काम करना पड़ सकता है और उन्हें वैकल्पिक ईंधन की व्यवस्था करनी होगी।

राजस्थान–गुजरात में लू का अलर्ट, आठ राज्यों में बारिश की चेतावनी

यूनिक समय, नई दिल्ली। मार्च माह की शुरुआत में ही देशभर में तापमान में तेजी से वृद्धि हो रही है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने राजस्थान, गुजरात और विदर्भ में लू चलने की चेतावनी जारी की है। 11 मार्च तक उत्तर–पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों, गुजरात और मध्य प्रदेश में तापमान सामान्य से 4–6 डिग्री सेल्सियस अधिक रहने का अनुमान है। वहीं, जम्मू–कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में दिन का पारा सामान्य से 5–7 डिग्री अधिक रह सकता है। एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने के कारण 15 मार्च तक हिमालयी क्षेत्रों में मौसम अस्थिर रहेगा। जम्मू–कश्मीर और हिमाचल में 10 से 12 मार्च के बीच गरज–चमक और 30–50 किमी/घंटा की रफ्तार से हवाओं के साथ ओलावृष्टि की संभावना है।

उत्तराखंड में 9 से 15 मार्च के दौरान हल्की बारिश और बर्फबारी की संभावना है। देश के लगभग 8 राज्यों में बारिश का अलर्ट है। बिहार और झारखंड में 10 और 11 मार्च को गरज के साथ बारिश हो सकती है। पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 10 से 13 मार्च तक उप–हिमालयी क्षेत्रों में हल्की वर्षा का अनुमान है। अरुणाचल प्रदेश में 15 मार्च तक बारिश जारी रहने की संभावना है।

10 मार्च को केरल में बिजली कड़कने के साथ हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। राजधानी दिल्ली में गर्मी अपने तेवर दिखा रही है। आज हल्के बादल छाए रहेंगे, जिससे सीधी धूप से थोड़ी राहत मिलेगी, लेकिन बारिश की संभावना नहीं है। अधिकतम तापमान 34 से 39 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। अगले 4 दिनों में तापमान में 2–3 डिग्री की बढ़ोतरी हो सकती है, जिससे गर्मी और प्रबल होगी। देश के विभिन्न हिस्सों में मौसम की यह अस्थिरता लोगों के लिए सतर्क रहने की चेतावनी है।

हिंसक भैंस का कहर, एक बुजुर्ग की मौत, सात लोग घायल

यूनिक समय, नई दिल्ली। नागपुर के महल क्षेत्र में एक भैंस ने आतंक मचा दिया, जिसमें एक बुजुर्ग की मौत हो गई और पुलिसकर्मी समेत सात लोग घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, यह भैंस रेबीज से ग्रसित थी और गांधी गेट परिसर में अचानक बेकाबू होकर दौड़ने लगी।

भैंस ने सबसे पहले लक्ष्मण राव कुंभारे को टक्कर मारी, जिससे उनकी मौत हो गई। इसके बाद सड़क से गुजर रहे दो बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। भैंस को काबू करने के लिए महानगरपालिका की टीम मौके पर पहुंची और दो घंटे की मशक्कत के बाद इसे कब्जे में लिया गया। भैंस को फिलहाल गोरक्षण में रखा गया है।

कुत्ते के काटने पर रैबीज से ग्रसित हो गई थी भैंस

हिंसक होने की वजहों पर अलग–अलग कयास लगाए जा रहे हैं। कहा जा रहा है कि भैंस का बच्चा पिछले 3–4 दिनों से लापता था, जिससे वह आक्रामक हो गई। वहीं, कुछ स्त्रोतों के अनुसार, भैंस को कुछ दिन पहले कुत्ते ने काटा था, जिससे यह रेबीज से ग्रसित हो गई।

भारत का पहला निजी रॉकेट 'विक्रम-1' श्रीहरिकोटा पहुंचा

3डी तकनीक से अब हफ्तों में तैयार होंगे रॉकेट

मार्च या अप्रैल में उड़ान की तैयारी

'स्पेस कैब' मॉडल से छोटे सैटेलाइट्स को मिलेगी तेज लॉन्च सेवा

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र में एक नया इतिहास बनने जा रहा है। देश का निजी स्पेस स्टार्टअप स्काईरूट एयरोस्पेस अपने पहले रॉकेट विक्रम-1 के लॉन्च के बेहद करीब पहुंच गया है। कंपनी के अनुसार रॉकेट के तीनों सॉलिड फ्यूल स्टेज सात मार्च तक श्रीहरिकोटा स्थित इसरो के स्पेसपोर्ट पहुंचा दिए गए हैं और इसके लगभग सभी प्रमुख परीक्षण भी पूरे हो चुके हैं। स्काईरूट एयरोस्पेस के को-फाउंडर और सीईओ पवन कुमार चंदना का कहना है कि विक्रम-1 भारत का पहला ऐसा रॉकेट होगा जिसे किसी निजी कंपनी ने पूरी तरह विकसित किया है। इसे मार्च के अंत या अप्रैल में लॉन्च करने की योजना बनाई गई है। इसके लिए भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन एवं प्राधिकरण केंद्र से अंतिम मंजूरी और समन्वय की प्रक्रिया जारी है। विक्रम-1 की सबसे बड़ी खासियत इसका आधुनिक डिजाइन है। इसमें 3डी-प्रिंटेड इंजन और कार्बन कंपोजिट संरचना का इस्तेमाल किया गया है। इससे रॉकेट हल्का, मजबूत और अधिक कुशल बनता है, जिससे लॉन्च प्रक्रिया तेज और किफायती हो सकती है। स्काईरूट एयरोस्पेस का कहना है कि विक्रम-छोटे सैटेलाइट्स के लिए एक नई तरह की लॉन्च सेवा उपलब्ध कराएगा।

कंपनी इसे 'स्पेस कैब' मॉडल कहती है। अभी छोटे सैटेलाइट्स को बड़े रॉकेट के साथ लॉन्च करना पड़ता है, जिस कारण उन्हें महीनों इंतजार करना पड़ता है और कई बार सही कक्षा भी नहीं मिलती। विक्रम-1 के जरिए सैटेलाइट्स को जरूरत के मुताबिक सीधे और समय पर लॉन्च किया जा सकेगा, ठीक वैसे ही जैसे ट्रेन और टैक्सी के उदाहरण में टैक्सी सीधे मंजिल तक पहुंचाती है। पारंपरिक रॉकेट निर्माण में सैकड़ों पुर्जे लगते हैं और कई हिस्सों को तैयार करने में सालों लग जाते हैं। लेकिन 3डी प्रिंटिंग तकनीक से इन्हें एक ही संरचना में तैयार किया जा सकता है, जिससे निर्माण का समय काफी कम हो जाता है। कार्बन फाइबर संरचना रॉकेट का वजन घटाती है, जिससे ईंधन की खपत कम होती है और लॉन्च की दक्षता बढ़ती है। स्काईरूट ने हैदराबाद एयरपोर्ट के पास करीब दो लाख वर्ग फुट में फैला इन्फिनिटी कैंपस भी स्थापित किया है, जहां बड़े पैमाने पर रॉकेट निर्माण की तैयारी है।

कंपनी का लक्ष्य भविष्य में हर महीने एक रॉकेट बनाने की क्षमता विकसित करना है। भारत सरकार ने 2033 तक देश की स्पेस इकोनॉमी को 44 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है और स्काईरूट इस क्षेत्र में दुनिया के शीर्ष पांच लॉन्च सेवा प्रदाताओं में शामिल होने की दिशा में काम कर रही है।

सिम्स हॉस्पिटल में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर नि:शुल्क हेल्थ कैंप

निःशुल्क हेल्थ कैंप में सिम्स की डॉक्टर्स व अन्य स्टाफ।

यूनिक समय, मथुरा। सिम्स हॉस्पिटल में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर उत्साहपूर्वक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर महिला चिकित्सकों ने केक काटकर एक-दूसरे को शुभकामनाएं दीं तथा महिलाओं के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए निःशुल्क प्रसूति एवं स्त्रीरोग हेल्थ कैंप लगाया गया। कैंप में वरिष्ठ स्त्रीरोग विशेषज्ञ डॉ. अंजू गुप्ता और डॉ. शुभदा शर्मा ने महिला मरीजों को निःशुल्क परामर्श दिया। साथ ही रेडियोलॉजी व पैथोलॉजी जांचों पर 30 प्रतिशत तथा पैप स्मीयर जांच पर 50 प्रतिशत की छूट प्रदान की गई। हॉस्पिटल के चेयरमैन डॉ. गौरव भारद्वाज ने सभी महिलाओं को महिला दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अस्पताल समय-समय पर बृजवासियों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए ऐसे शिविर आयोजित करता रहता है। डॉ. अंजू गुप्ता ने बताया कि गर्भावस्था देखभाल, पीरियड समस्याएं, सिस्ट, मेनोपॉस, बांझपन व अन्य स्त्रीरोग संबंधी समस्याओं के लिए महिलाएं अस्पताल में परामर्श ले सकती हैं, जहां 24 घंटे आपात सेवाएं उपलब्ध हैं।

पत्नी की हत्या में वांछित पति गिरफ्तार

यूनिक समय, सुरीर (मथुरा)। सुरीर कोतवाली के गांव सुदामागढ़ी में दहेज के लिए की गई पत्नी की हत्या में वांछित चल रहे पति को गिरफ्तार किया है। सुदामागढ़ी में एक सप्ताह पूर्व विवाहिता सोनिया की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी।

इस मामले में बल्टीगढ़ी निवासी सूरजपाल ने पुलिस में दर्ज रिपोर्ट में कहा कि उसने अपनी दो बेटियों की शादी 7 मई 2025 को सुदामागढ़ी निवासी कुलदीप और उसके भाई संदीप से की थी। कुलदीप ने दहेज की खातिर सोनिया की हत्या चार अन्य परिवारीजनों के सहयोग से कर दी। पुलिस ने इस मामले में रिपोर्ट दर्ज होने के बाद कुलदीप को गिरफ्तार कर लिया।

नगर निगम की कुर्की-सीलिंग कार्रवाई

सीलिंग की कार्रवाई करती नगर निगम की टीम।

बकायेदारों से वसूला गया कर

यूनिक समय, मथुरा। नगर आयुक्त के निर्देश पर 10 मार्च को भूतेश्वर जोन में संपत्ति कर के बड़े बकायेदारों के खिलाफ कुर्की और सीलिंग की कार्रवाई की गई। यह कार्रवाई अपर नगर आयुक्त अनिल कुमार के नेतृत्व में की गई। कार्रवाई के दौरान भवन संख्या 178/182 के स्वामी चैब सिंह पर 4,86,916 रुपये का बकाया था।

सीलिंग की कार्रवाई से बचने के लिए उन्होंने 1,20,000 रुपये का चेक नगर निगम कोष में जमा कराया। वहीं भवन संख्या 178/183 टू-डी के स्वामी शिवराम पुत्र नरायन सिंह पर 1,51,035 रुपये का बकाया होने के बावजूद भुगतान न करने पर भवन को सील कर दिया गया। इसके अलावा भवन संख्या 178/33 की स्वामिनी नीलम अग्रवाल ने 40,000 रुपये का बकाया चेक के माध्यम से जमा किया। कार्रवाई के दौरान मुख्य कर निर्धारण अधिकारी नरेंद्र सिंह यादव, कर निर्धारण अधिकारी अरविंद कुमार यादव, नगर निगम प्रवर्तन टीम और पुलिस बल मौजूद रहा।

बाजना में 'फूलडोल' मेले में जमकर थिरके कलाकार

सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देते कलाकार।

यूनिक समय, बाजना। नगर पंचायत में आयोजित ऐतिहासिक 'फूलडोल' मेला इस वर्ष भी भव्यता और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। मेले के दौरान पूरा कस्बा बम-ढोल और नगाड़ों की गूंज से झूम उठा। पारंपरिक वाद्य यंत्रों की थाप पर युवा और बुजुर्ग नाचते नजर आए, जिससे पूरे क्षेत्र में उत्सव का माहौल बन गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ नगर पंचायत चेयरमैन सुभाष चौधरी ने दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने कहा कि 'साते

सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने बांधा समां

फूलडोल' मेला क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत और आपसी भाईचारे का प्रतीक है। मंच पर आयोजित रागिनी कार्यक्रम ने भी दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस प्रशासन तैनात रहा तथा नगर पंचायत ने साफ-सफाई और पेयजल की समुचित व्यवस्था की।

अन्नदाता बढ़ती गर्मी से फसल को बचाने के उपाय

कृषि विशेषज्ञों की किसानों को सलाह

यूनिक समय, मथुरा। अचानक बढ़ते तापमान का असर खेतों में खड़ी फसलों पर पड़ने लगा है। कृषि विशेषज्ञों ने किसानों को सलाह दी है कि समय रहते जरूरी उपाय अपनाकर फसलों को नुकसान से बचाया जा सकता है।

विशेष रूप से गेहूं और जौ की फसल पर बढ़ती गर्मी का असर पड़ने से इनके समय से पहले पकने की आशंका रहती है, जिससे उत्पादन घट सकता है। मृदा वैज्ञानिक डॉ. रविन्द्र राजपूत (मथुरा) ने बताया कि तापमान लगातार बढ़ रहा हो तो गेहूं की फसल में 0.2 प्रतिशत म्यूरेट ऑफ पोटाश का छिड़काव करना लाभकारी रहता है। इसके लिए 200 लीटर पानी में 400 ग्राम म्यूरेट ऑफ पोटाश घोलकर छिड़काव करें। इसके विकल्प के रूप में 200 लीटर पानी में चार किलो पोटेशियम नाइट्रेट घोलकर भी फसल पर छिड़काव किया जा सकता है, जिससे गर्मी का असर कम होता है और फसल की गुणवत्ता बनी रहती है।

सब्जियों में कीट-रोग पर रखें नजर

सब्जियों में कीट-रोग से बचाव जरूरी

कृषि विशेषज्ञों ने किसानों को सब्जियों की फसलों में कीट और रोगों की नियमित निगरानी करने की सलाह भी दी है। सब्जियों में चेंपा (एफिड) का प्रकोप बढ़ने की संभावना रहती है। इसके नियंत्रण के लिए इमिडाक्लोप्रिड 0.25 से 0.5 मिली प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करना चाहिए। ध्यान रहे कि दवा का छिड़काव सब्जियों की तुड़ाई के बाद ही करें और इसके बाद कम से कम एक सप्ताह तक सब्जियों की तुड़ाई न करें।

प्याज और अन्य सब्जियों में रोग नियंत्रण

इस मौसम में प्याज की समय पर बोई गई फसल में नीला धब्बा रोग लगने की आशंका रहती है। इसके लक्षण दिखने पर डायथेन एम-45 दवा तीन ग्राम प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करना प्रभावी रहता है। वहीं भिंडी, मिर्च, टमाटर, नींबू और पपीता जैसी सब्जियों में विषाणु जनित रोगों की रोकथाम के लिए डाइमिथोएट 30 ईसी (0.1 प्रतिशत) या एसीफेट 75 डब्ल्यूपी (0.15 प्रतिशत) का छिड़काव करना लाभकारी माना गया है। कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को गर्मी की फसलों की तैयारी शुरू करने की सलाह भी दी है। इस मौसम में लौकी, तुरई, करेला, खीरा और टिंडा जैसी सब्जियों की बुवाई की जा सकती है। साथ ही मूंग की उन्नत किस्में जैसे आईपीएम-02-03, पीडीएम-139 और एसएमएल-668 की बुवाई के लिए भी खेत तैयार करने का समय अनुकूल बताया गया है।

सीआईएसएफ ने मनाया 57वाँ स्थापना दिवस

यूनिक समय, मथुरा। सैंट्रल इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स (सीआईएसएफ) ने अपने 57वें स्थापना दिवस के अवसर पर इंडियन ऑयल रिफाइनरी परिसर में भव्य समारोह आयोजित किया। कार्यक्रम का आयोजन इकाई प्रभारी कमांडेंट डॉ. नीरज भारती के नेतृत्व में हुआ। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में रिफाइनरी के कार्यकारी निदेशक व प्रमुख मुकुल अग्रवाल उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण जवानों की भव्य परेड रही, जिसमें अनुशासन और समर्पण की झलक

रिफाइनरी में हुआ भव्य आयोजन

देखने को मिली। जवानों ने सुरक्षा से जुड़े कई हैरतअंगेज डेमो प्रस्तुत किए, वहीं डॉग स्क्वाड ने अपराधियों को पकड़ने की अपनी दक्षता का प्रदर्शन कर दर्शकों की खूब सराहना बटोरी। इस अवसर पर कमांडेंट डॉ. नीरज भारती ने सीआईएसएफ के गौरवशाली इतिहास और देश के महत्वपूर्ण संस्थानों की सुरक्षा में उसकी भूमिका पर प्रकाश डाला।

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित। कार्यालय :- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा। संपादक-पवन गौतम। फोन नंबर-0565-2420150, मो। 9837155888 E-mail : uniquesamaynews@gmail.com website : uniquesamay.com सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा। RNI-UPHIN/2023/85053